छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 283 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 06 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

गायब बेटे का शव समझकर दफना दिए स्वजन, 3 दिन बाद जीवित लौटा घर

कुएं में मिला था शव, पुत्र के रूप में पहचान के बाद पुलिस ने कराया था पोस्टमार्टम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले में बीते शनिवार को कुएं में मिले एक युवक के मृत शरीर को अपना बेटा समझकर स्वजन अंतिम संस्कार कर दिए, लेकिन तीन दिन बाद वह घर लौट आया और बताया कि वह रिश्तेदार के घर में था। हैरत की बात यह है कि पुलिस के समक्ष स्वजन ने शव की शिनाख्त 3 दिन से लापता बेटे के रूप में की थी। इसके बाद परिजन ने उसका शव दफन कर दिए थे। इसके बाद पुलिस की उलझन इस बात को लेकर बढ़ गई है कि आखिर मृत युवक कौन है, जिसका कुएं में शव मिला था। पुलिस ने शव के कपड़े और अंगुली का टुकड़ा संरक्षित करके रखा है, इसके आधार पर उसकी पहचान करने की कोशिश शुरू कर दी है। अगर संबंधित शव के बारे में जानकारी नहीं मिल पाती है तो पुलिस कब्र से शव निकालकर आगे की प्रक्रिया पूरी करेगी।

जानकारी के मुताबिक सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चंद्रपुर निवासी जैन राम का पुत्र पुरुषोत्तम जैन कई दिनों से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच शनिवार को सूरजपुर के मानपुर में एक अज्ञात युवक का शव मिला था। पुलिस उसकी शिनाख्त में जुटी थी। सूचना पर तीन दिन से गायब युवक के परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान पुरुषोत्तम के रूप में की। शव का पहचान होने पर पुलिस ने सारी प्रक्रिया पूर्ण करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया था। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए स्वजन को शव सौंप दिया था। स्वजन ने परंपरा के मुताबिक मृतक के शव का कफन-दफन कर दिया। इसकी खबर मिलने पर काफी नाते-रिश्तेदार भी उसके घर आ गए थे और अग्रिम क्रियाक्रम की तैयारी घर पर ही चल रही थी। इसी बीच 3 दिन बाद पुरुषोत्तम के जिन्दा लौटने पर सब भौचक रह गए। अब इन्हें पता चला कि जिस पुरुषोत्तम को मृत समझकर वे अंतिम संस्कार कर दिए थे, वह अंबिकापुर में रिश्तेदार के घर पर था। रिश्तेदार को जब पता चला कि पुरूषोत्तम को मरा समझकर उसका अंतिम संस्कार स्वजन कर दिए हैं, तो उसने घर पहुंचकर उसके जिन्दा रहने की जानकारी दी। इसके बाद भी स्वजन संशय में थे, बाद में जब जीवित पुत्र उनकी नजरों के सामने आया तो उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक गया। इसके बाद सवाल उठ रहा है कि जिस युवक का अंतिम संस्कार किया गया, वह कौन है? उसकी पहचान क्यों नहीं हो पाई है। एएसपी संतोष महतो का कहना है कि शव को दफन करने के बाद पुलिस के पास प्रिजर्व मृतक का कपड़ा व उसके अंगुली के टुकड़े हैं। इसके आधार पर सैंपल मिलान किया जाएगा, नहीं तो एसडीएम के निर्देश पर शव को कब्र से बाहर निकलवाने के अलावा कोई रास्ता पुलिस के पास शेष नहीं बचेगा।

नवीन भवन निर्माण के लिए जिला न्यायालय से लगे शासकीय भूमि को करें आवंटित

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने जनहित को ध्यान में रखकर कलेक्टर सरगुजा को लिखा पत्र

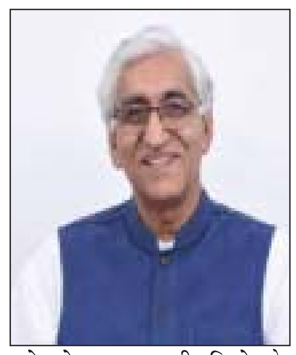

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला अधिवक्ता संघ की मांग व जनहित को ध्यान में रखते हुए वर्तमान जिला न्यायालय स्थल से लगे शासकीय भूमि पर ही नवीन जिला न्यायालय भवन निर्माण हेतु भूमि का आवंटन करने का आग्रह पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंह देव ने कलेक्टर सरगुजा को पत्र लिखकर किया है। इसमें उल्लेख है कि सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में कलेक्ट्रेट परिसर, तहसीलदार एवं एसडीएम न्यायालय के साथ ही जिला न्यायालय भी एक ही परिसर से लगकर स्थापित है। यह आमजनों के लिए सुविधाप्रद है। राजस्व सहित अन्य मामलों को लेकर जब भी जिले के अलग-अलग क्षेत्र से लोग यहां पहुंचते हैं तो उन्हें आवागमन सहित भिन्न न्यायलयों में उपस्थिति की सुविधा मिल जाती है। नवीन जिला न्यायालय भवन हेतु जिला प्रशासन द्वारा चठिरमा में भूमि का आवंटन कर दिया गया है, जिस पर सरगुजा जिला अधिवक्ता संघ सहित अन्य संस्था व लोग लगातार आपत्ति प्रकट कर रहे हैं।

जनहित को यदि देखा जाए तो कलेक्ट्रेट परिसर से जिला न्यायालय का पुराना भवन लगा हुआ है, यहां पर आने-जाने में भी दिक्कत आमजनों को नहीं होती है। प्रतीक्षा बस स्टैंड के निकट में है तथा काफी संख्या में निर्धन ग्रामीण विभिन्न मामलों की सुनवाई हेतु बस स्टैण्ड से पैदल भी यहां तक पहुंच जाते हैं। चठिरमा, जिला सूरजपुर से लगा हुआ क्षेत्र है और सरगुजा का सबसे बाहरी छोर है। यहां तक पहुंचने में अधिवक्ताओं को भी भारी समस्या होगी। उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने आग्रह किया है कि जनहित में पुराने जिला न्यायालय परिसर वाली बिल्डिंग से लगे हुए गुलाब कॉलोनी एवं अन्य क्षेत्र, जिसे लेकर लगातार सरगुजा जिला अधिवक्ता संघ आवाज उठा रहा है और मांग कर रहा है, उस भूमि पर नवीन जिला न्यायालय भवन बनाने हेतु उपलब्ध कराने आवश्यक कार्रवाई करें, यह जनहित में भी होगा।

ट्रेन से गिरे युवक का हाथ-पैर कटा, इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ट्रेन से गिरे युवक का हाथ और पैर कट गया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक अंबिकापुर में महामाया मंदिर के पास रहने वाला राजू मानिकपुरी पिता रामकिशोर मानिकपुरी 37 वर्ष, मंगलवार 4 नवम्बर को सुबह घर से ग्वालियर जाने के लिए निकला था, इस दौरान चलती ट्रेन से वह गिर गया। घटना की सूचना सुबह करीब 7 बजे फोन करके स्वजन को रेलवे के कर्मचारी ने दी थी। घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती करके चिकित्सक आवश्यक उपचार, सुविधा उपलब्ध कराए, उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक किन परिस्थितियों में ट्रेन से नीचे गिरा, यह अस्पष्ट है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव को पोस्टमार्टम कराया है।

इंटरनेट मीडिया में मंत्री के विरूद्ध अभद्र टिप्पणी, केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। इंस्टाग्राम में छत्तीसगढ़ शासन में मंत्री रामविचार नेताम के विरूद्ध की गई अभद्र टिप्पणी की रिपोर्ट क्षेत्रीय विधायक प्रतिनिधि ने बलरामपुर जिला के रामचंद्रपुर थाने में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। विधायक प्रतिनिधि ग्राम अनिरुद्धपुर निवासी अनिरूद्ध सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 3 नवम्बर को रामचन्द्रपुर के शमसेर अंसारी पिता खुदा बक्स के द्वारा मंत्री रामविचार नेताम के खिलाफ इंस्टाग्राम में अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी व गाली-गलौज करने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल किया गया है, जिससे पार्टी के कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में आक्रोश है। मामले में अपराध दर्ज करके पुलिस वैधानिक कार्रवाई की है।

चाय की खेती के लिए मैनपाट में 3 किसानों ने दी जमीन, 6 साल बाद भी नहीं मिली 'चवन्नी'

5 एकड़ जमीन पर शुरु हुआ था प्रोजेक्ट, फायदे में से हिस्सा देने का दिया गया था भरोसा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के शिमला नाम से विख्यात मैनपाट में पायलट प्रोजेक्ट के तहत अब चाय की खेती नहीं हो रही है। जो बचे-खुचे पौधे हैं, उन्हें मवेशी चर रहे हैं। वर्ष 2019 में ग्राम ललेया के 3 किसानों की 5 एकड़ जमीन का चयन चाय बागान के लिए किया गया था। किसानों को भरोसा दिलाया गया था कि चाय की बिक्री में से लाभ का एक हिस्सा उन्हें भी दिया जाएगा, लेकिन 6 साल बाद भी उन्हें एक चवन्नी नसीब नहीं हुई है। ऐसे में किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

जशपुर जिले में चाय की खेती में अपार सफलता मिल चुकी है। मैनपाट की जलवायु भी जशपुर की ही तरह होने की वजह से इसे भी चाय की खेती के अनुकूल माना गया। वर्ष 2019 में मैनपाट के ग्राम ललेया में वन विभाग द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तहत 3 किसानों की सहमति से उनकी 5 एकड़ जमीन ली गई। इसके लिए जशपुर से 1 हजार पौधे भी मंगाए गए थे। उक्त जमीन पर पौधे तो लगाए गए, लेकिन चाय की खेती उस अनुरूप नहीं हो पाई, जिसकी उम्मीद लगाई गई थी।

एक रुपया भी नहीं मिला, जमीन भी फंसी

वन विभाग के अफसरों द्वारा किसानों को यह आश्वासन दिया गया था कि चाय की बिक्री के बाद उन्हें भी इसका हिस्सा मिलेगा, लेकिन 6 साल बाद उन्हें फूटी कौड़ी भी नसीब नहीं हुई। ऊपर से उनकी जमीन भी फंस गई है। वे अपनी जमीन पर आलू, टाऊ समेत अन्य दूसरी फसल लगाने वन व राजस्व विभाग के चक्कर लगा रहे हैं।

मवेशी चर गए बचे-खुचे पौधे

वन विभाग द्वारा किसानों की जिस जमीन पर लाखों रुपये खर्च कर चाय के पौधे लगाए गए थे, वे कुछ दिनों तक तो लहलहाते रहे, लेकिन उदासीनता की वजह से फसल का उत्पादन नहीं हो सका। अब उनकी देख-रेख भी नहीं हो रही है। विंडबना यह है कि बचे-खुचे चाय के पौधों को मवेशी चर रहे हैं और कोई ध्यान देने वाला भी नहीं है।

4 साल में तैयार होती है चाय की फसल

बीज बोने के बाद करीब 4 से 12 साल में चाय का पौधा फल देने लगता है, जबकि एक साल में चाय की पत्तियों की तुड़ाई होने लगती है। इसके अलावा कलम से उगाए गए पौधे को कटाई के लिए तैयार होने में करीब 3 साल का समय लगता है। किसान एक साल में 3 बार पत्तियों की तुड़ाई कर सकते हैं।

दोपहिया वाहन के शोरूम में चोरों ने धावा बोला, मोटरसायकल और नकदी ले गए

पूर्व में भी आसपास हो चुकी है चोरी की वारदात, नहीं पकड़े गए हैं आरोपी

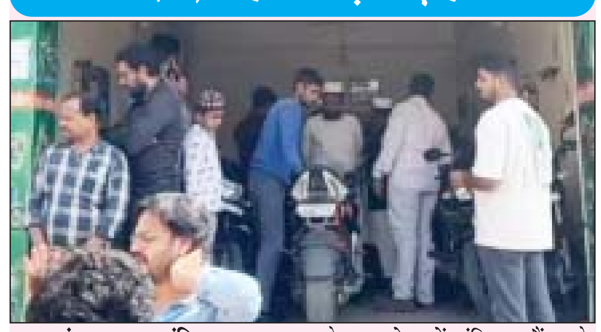

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के ब्रह्मरोड में इंडियन बैंक के बगल में स्थित पुराने दोपहिया वाहन के शो रूम का ताला तोड़कर चोरों ने मंगलवार की रात को एक बाइक और नकद रकम पार कर दिया। वारदात के बाद स्थानीय पुलिस की उदासीनता पर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि इससे पहले भी इसी के आसपास चोरी की घटना हो चुकी है, लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। जानकारी के मुताबिक, ब्रह्मरोड निवासी अश्विनी तिवारी का मकान इंडियन बैंक के पास स्थित है, उन्होंने कई दुकानें किराए पर दी हैं। इनमें से एक दुकान में सरफराज अहमद के द्वारा पुराने दोपहिया वाहन का शो रूम संचालित किया जा रहा है। मंगलवार की रात को दुकान बंद करके सरफराज और उसके कर्मचारी अपने घर चले गए थे। बुधवार की सुबह जब वे दुकान पहुंचे, तो शो रूम का ताला टूटा हुआ था और काउंटर में रखा नकद रकम और एक बाइक गायब थी। शो रूम के मालिक सरफराज अहमद और दुकान के अन्य कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच, पड़ताल की है। अश्विनी तिवारी के मकान से और किराए में दिए गए इलेक्ट्रानिक दुकान से 28 अक्टूबर की रात को चोरों ने लगभग 70 हजार रुपये का सामान चोरी किया था। इसकी शिकायत कोतवाली थाना में दर्ज कराई गई थी, लेकिन पुलिस की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण चोरी की पुनरावृत्ति हुई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली को सवालों के घेरे में लिया है।

बाइकों की टक्कर में घायल महिला की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाइकों की टक्कर में घायल महिला की अस्पतालों का चक्कर काटते और उपचार कराते मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम शिवपुर देवरी की मानमति रवि पति रामचन्द्र रवि 37 वर्ष, 28 नवम्बर को अपने पति के साथ दोपहिया में सवार होकर ग्राम चंगोरी मेहमानी में गई थी। वापस लौटते समय पति-पत्नी को एक अन्य बाइक सवार ठोकर मार दिया था, जिसमें दोनों जख्मी हो गए थे। घायलों को बरियों स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया, यहां से रेफर करने के बाद स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे। स्थिति गंभीर देखकर स्वजन उसे होलीक्रॉस अस्पताल सहित एक अन्य निजी अस्पताल में भर्ती कराए थे। यहां से रेफर करने पर रायपुर लेकर पहुंचे। महिला की स्थिति में सुधार नहीं होने पर पुनः 31 अक्टूबर को वापस अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां उपचार के बीच बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

दोपहिया वाहन चोरी के मामले में 3 खरीददार सहित 5 गिरफ्तार, 4 बाइक बरामद

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दोपहिया वाहन चोरी के दो मामलों में गांधीनगर थाना पुलिस ने 3 खरीददार सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार करके इनसे 4 मोटरसायकल बरामद किया है। आरोपी राहुल विश्वकर्मा दोनों प्रकरणों का आरोपी है, जो पूर्व में भी कई चोरी के मामलों में चालान किया जा चुका है। आरोपी आदतन अपराधी किस्म का है।

जानकारी के मुताबिक डिहल राम टेकाम निवासी अमड़ी पारा चौकी बरियों ने थाना गांधीनगर में एक अक्टूबर को कपड़ा लेते समय विशाल मेगा मार्ट के पार्किंग से मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 सीएम 8418 दिनदहाड़े चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दूसरे मामले में नीतु सिदार निवासी तुर्रापानी शिव मंदिर के पास ने थाने में 22 अक्टूबर की रात एक्टिवा स्कुटी कमांक सीजी 15 ईई 7425 को घर के सामने आंगन से चोरी करके ले जाने की जानकारी दी थी। दोनों मामले में पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आरोपियों की पतासाजी शुरू की और मुखबिर की सूचना पर राहुल विश्वकर्मा पिता शांतिलाल विश्वकर्मा 30 वर्ष निवासी बरझापुरा, थाना जावर जिला सिहोर मध्य प्रदेश, हाल मुकाम मठपारा थाना मणीपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपने साथी दिलभदर यादव के साथ मिलकर विशाल मेगा मार्ट के पार्किंग से मोटरसायकल चोरी करके धर्मेन्द्र यादव उर्फ विक्कू, राजकुमार बड़ा एवं निरंजन मण्डल को बिक्री करना बताया। पुलिस ने दिलभदर यादव पिता देवसाय यादव 40 साल निवासी सुंदरपुर थाना मणीपुर, धर्मेन्द्र यादव उर्फ विक्कू यादव पिता स्व. लवराम यादव 24 साल निवासी सत्तीपारा अंबिकापुर, राजकुमार बड़ा पिता दल्लु राम 35 साल निवासी गोपालपुर थाना राजपुर व निरंजन मंडल पिता महादेव मंडल 55 साल निवासी ग्राम डिगमा थाना गांधीनगर को हिरासत में लिया तो सभी अपराध में संलिप्त पाए गए। आरोपी राहुल विश्वकर्मा दोपहिया वाहन चोरी के अन्य मामले में कड़ाई से पूछताछ करने पर मिशन अस्पताल के पास से, सुरजपुर कलेक्टर ऑफिस के पास से, तुर्रापानी शिवमंदिर के पास से स्कूटी चोरी करना बताया। पुलिस ने इनके कब्जे से 4 मोटरसायकल बरामद किया है, जिसकी कीमत लगभग 2 लाख रुपये है। आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विवेक सेंगर, उप निरीक्षक नवल दुबे, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, बंधुराम सारथी, विकास सिन्हा, आरक्षक घनश्याम देवांगन, रमन मंडल, कुंदन पाण्डेय, राहुल सिंह, मनीष सिंह, अशोक यादव, अमन पुरी, उमाशंकर साहू सक्रिय रहे।

सूने मकान में चोरी करने तोड़ रहे थे दरवाजा, घर स्वामी के पहुंचने से मंशा नहीं हुई पूरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के कुसमी से अंबिकापुर आ रहे नाबालिगों ने रुपये की कमी आड़े आने पर चोरी करने की नियत से शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के पटेलपारा में स्थित एक सूने मकान का दरवाजा तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया। इसमें वे सफल हो पाते, इसके पहले घर स्वामी पहुंच गया। इन्हें देखकर दोनों भागने का प्रयास किए, लेकिन एक नाबालिग पकड़ में आ गया, जो कुसमी का रहने वाला है। मौके से भागे दूसरे बालक को आसपास के लोगों के सहयोग से पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

ग्राम पटेलपारा शंकरगढ़ निवासी सुखनंदन किसान पिता रूपन नगेशिया 63 वर्ष ने पुलिस को बताया कि विगत 5 दिनों से वह घर में ताला लगाकर सपरिवार शंकरगढ़ से बाहर गया था। 3 नवम्बर को दोपहर के समय अपने घर वापस आया और ताला खोलने लगा तो घर के पीछे से दरवाजा तोड़ने जैसा आवाज आया। इसके बाद वह अपनी पत्नि और पुत्र के साथ घर के पीछे पहुंचा तो दो लड़के घर के पीछे के दरवाजा को तोड़ रहे थे, जो उन्हें देखकर भागने लगे। इनमें से एक लड़के को वे पकड़ लिए, जबकि दूसरा लड़का भागने में कामयाब हो गया, जिसे बाद में आसपास के लोगों के सहयोग से पकड़ने में वे सफल हो गए। दोनों लड़के दरवाजा का एक भाग तोड़ चुके थे। पूछताछ में जरहाटोंगरी कुसमी निवासी नाबालिग ने बताया दोनों अंबिकापुर से कुसमी जा रहे थे। पैसे की कमी को दूर करने के लिए वे घर में लगे ताला को देखकर चोरी करने के लिए हंसिया एवं छड़ से दरवाजा को तोड़ना बताए। घर स्वामी ने दोनों बालकों को शंकरगढ़ थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

प्रकाश पर्व पर श्रद्धालुओं ने गुरूद्वारे में टेका मत्था

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में पहली पातशाही श्री गुरुनानक देव जी का 556 वां प्रकाश पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। बुधवार को प्रात:काल से ही साध संगत द्वारा गुरुद्वारा प्रांगण की साजो सजावट समेत लंगर की सेवा की तैयारी की जाती रही। दो दिन पूर्व निशान साहेब की सेवा अमरजीत खेड़ा परिवार एवं समूह साध संगत के सहयोग से सम्पन्न हुई। सोमवार को ही गुरुद्वारा साहेब में अखण्ड पाठ रखा गया, जिसकी समाप्ति तीसरे दिन बुधवार की दोपहर 12.30 बजे सम्पन्न हुई। इसके पश्चात रागी जत्था ज्ञानी अमरदीप सिंह प्रीत, अजीत सिंह प्रीत व जसबीर सिंह द्वारा गुरबाणी रूपी कीर्तन कर संगत को निहाल कर पहली पातशाही श्री गुरुनानक देव जी द्वारा किए गए धर्म स्थापना, मानवता के प्रति प्रेम, एकता, समानता, भाईचारा के लिए योगदान एवं एक परमात्मा के दिए गए संदेश के बारे में कथा सुनाकर संगत को स्मरण कराया गया। प्रकाश पर्व मनाने के लिए सम्पूर्ण गुरुद्वारा प्रांगण की फूलों से विशेष सजावट की गई थी। बुधवार को बड़ी संख्या में सिक्ख समाज, सिंधी समाज समेत अन्य समाज के लोगों ने गुरुद्वारा साहेब पहुंच श्री गुरुग्रन्थ साहेब जी के समक्ष मत्था टेककर मंगलकामना की अरदास की। अरदास समाप्ति पश्चात गुरु का लंगर चलाया गया जिसे हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के दलजीत सिंह, जसबीर सिंह, मंजीत सिंह भामरा, रणबीर सिंह भामरा, सुखदेव सिंह, सुरजीत सिंह चावला, बखशीश सिंह मान, अवतार सिंह मान, इन्दरराज भामरा, मनी बग्गा, प्रिंस ढिल्लो, मनप्रीत सिंह सोहल, गुरविंदर माखीजा, धनवीर खेड़ा, गगनदीप सिंह बग्गा, इकजोत सिंह बग्गा, गुरदीप माखीजा, मंजीत सिंह नारु सक्रिय रहे।

जीएम का हुआ सम्मान

गुरुद्वारे में श्री गुरुनानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व के अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह के अलावा नगर पंचायत बिश्रामपुर उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान व अन्य गणमान्य लोगों का गुरुद्वारा कमेटी द्वारा शॉल श्रीफल से सम्मान भी किया गया।

निधन
कृष्ण मुरारी गुप्ता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कुंजनगर के रेलवे स्टेशन बिश्रामपुर चौक निवासी कृष्ण मुरारी गुप्ता उर्फ पप्पू का बुधवार को प्रात: निधन हो गया। वे 58 वर्ष के थे। वे करीब दो वर्ष से अधिक समय से अस्वस्थ चल रहे थे कि बुधवार प्रात: उनकी सांसे थम गई। उनका रिंहद नदी स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। वे डाकघर अभिकर्ता राजू गुप्ता, शंकर गुप्ता के अनुज भ्राता तथा विशाल गुप्ता, अभिषेक गुप्ता के पिताजी थे। वे अपने पीछे भरापुरा परिवार शोकाकुल छोड़ गए हैं।

स्काउट गाइड गतिविधियों में नए कीर्तिमान को छुएगा छत्तीसगढ़ : खालसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राज्य मुख्यालय के वार्षिक कार्यक्रम अनुसार एससीईआरटी रायपुर में 4 से 8 नवंबर तक स्पेशल कोर्स का आयोजन किया जा रहा हैं। यह कार्यक्रम भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा के निर्देशानुसार, राज्य सचिव जितेंद्र साहू के आदेशानुसार व शिविर संचालकों के नेतृत्व में पाँच दिवसीय सेक्रेटरी व ऑर्गनाइज़र कोर्स, मैपिंग एवं स्तर गैजिंग कोर्स व पायनियरिंग एवं स्टीमेशन कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के प्रथम दिवस में सबसे पहले सभी प्रतिभागियों का पंजीयन कराया गया तत्पश्चात इस कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य मुख्य आयुक्त के द्वारा किया गया। बता दें कि भारत स्काउट गाइड के वार्षिक कार्यक्रम अनुसार वर्ष भर अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ के समस्त जिले के फ्लॉक लीडर, कब मास्टर, स्काउटर, गाइडर, रोवर लीडर, रेंजर लीडर, डीओसी, डीटीसी, जिला सचिव सहित लगभग 220 से ज़्यादा प्रशिक्षणार्थी शामिल है। इस स्पेशल कोर्स का उद्देश्य स्काउटर गाइडर को स्काउटिंग में दक्ष करना जिससे जिला व राज्य स्तरीय अनेक प्रकार के गतिविधियों जैसे द्वितीय व तृतीय सोपान, राज्यपाल पुरुस्कार सह जाँच शिविर, आपदा प्रबंधन जैसे अनेक गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन करने में सक्षम होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के आसंदी पर विराजमान राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा राज्य आने वाले समय में स्काउटिंग गतिविधियों और स्काउट गाइड को आगे बढ़ाने में एतिहासिक परिवर्तन लाते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। आगे कहा हम सब इस कोर्स को को पूर्ण करके पूरे राज्य में एक साथ मिलकर और बेहतर कार्य करेंगे जिसका लाभ हमारे स्काउटिंग व स्काउट गाइड को मिलेगा। आगे भारत स्काउट गाइड राज्य सचिव जितेंद्र साहू ने कहा सभी कोर्स का अपना अलग महत्व है इसमें प्रतिभागी अलग अलग विषयों की पूरी जानकारी प्राप्त कर जमीनी स्तर पर जाकर स्काउट गाइड के लिए कार्य करेंगे। तत्पश्चात प्रश्नकाल के समय में सभा में उपस्थित स्काउटर गाइडर के द्वारा अपने अपने जिले में व्याप्त स्काउट गाइड से संबंधित अनेक समस्याओं को पटल पर रखा जिस पर सकारात्मक चर्चा करते हुए समाधान किया गया। अंत में स्काउटिंग की महत्वपूर्ण जानकारी देने अलग अलग कोर्स के अनुसार ग्रुप बनाकर कक्ष बाँटा गया। इस दौरान स्पेशल कोर्स के शिविर संचालक अशोक देशमुख, मास्टर ट्रेनर टी. के. एस. परिहार, जेरमीना इक्का, अमित क्षत्रिय, खोडस राम कश्यप, पूनम साहू, रामकुमार साहू, नीलम यादव, नागेश्वर साहू, धनुष सिन्हा सहित समस्त जिले के प्रतिभागी स्काउटर गाइडर शामिल रहे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ध्रुव ने दी।

सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ी लोकगीतों ने बिखेरा समा

★ छत्तीसगढ़ी सुरों की गूंज पर झूम उठा राज्योत्सव

★ तालियों की गड़गड़ाहट के बीच गूंजे सुनील मानिकपुरी के गीत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिवस संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी गायक श्री सुनील मानिकपुरी एवं उनकी टीम ने अपने गीतों और नृत्यों से लोगों को झुमाया ।लोकगायक श्री सुनील मानिकपुरी एवं उनकी टीम ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। जिसे सुनकर दर्शक झूम उठे। इसके बाद एक के बाद एक प्रस्तुत गीतों ने समा बांध दिया ।श्री मानिकपुरी की मधुर आवाज़, लोकधुनों की लय और कलाकारों के उत्साहपूर्ण नृत्य ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। दर्शकों ने भी पूरे उत्साह और आत्मीयता से उनके गीतों पर तालियां बजाकर कलाकारों का अभिनंदन किया ।सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ की परंपरा, लोककला और संगीत की झलक देखने को मिली ।कार्यक्रम के अंत में राज्योत्सव में अपने प्रदर्शन और कला से लोगों का मन मोह लेने वाले कलाकार श्री सुनील मानिकपुरी को जिला प्रशासन की ओर से जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विश्व दीपक त्रिपाठी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जीएम कार्यालय में डिजिटल लाईफ सर्टिफिकेट कैंप आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल में पेंशन भोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने के लिए लगाए जा रहे विशेष शिविर के तहत गुरुवार 6 नवंबर को एसईसीएल बिश्रामपुर महाप्रबंधक कार्यालय में कैंप का आयोजन किया गया है ।एसईसीएल एवं कोयला खान भविष्य निधि संगठन सीएमपीएफओ के संयुक्त तत्वाधान में पेंशन भोगियों के लिए इस वर्ष डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने हेतु डीएलसी 4.0 विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान भारत सरकार के निर्देशानुसार नवंबर 2025 के दौरान एसईसीएल मुख्यालय सहित सभी संचालन क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहा है, ताकि पेंशन भोगियों को सुविधा मिल सके और पेंशन का नियमित भुगतान निर्बाध रूप से जारी रह सके। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर में 4 नवंबर से 28 नवंबर तक शनिवार एवं रविवार को छोड़कर विशेष शिविर लगाया जाएगा। बिश्रामपुर क्षेत्र में आज 6 नवंबर को शिविर आयोजित जाएगा। प्रबंधक मानव संसाधन हरेंद्र तिवारी ने बताया कि इन शिविरों में पेंशन भोगी निःशुल्क अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। पेंशन भोगियों को शिविर में पेंशन पेमेंट ऑर्डर पीपीओ, बैंक पासबुक एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर अपने साथ लाना आवश्यक होगा। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अवश्य जमा करें, ताकि पेंशन भुगतान में किसी प्रकार की बाधा न आए। जीवन प्रमाण पत्र जमा न करने पर पेंशन भुगतान अस्थायी रूप से रोक दिया जा सकता है।

अनोखी सोच नेशनल डांस स्पर्धा में सिमरन ने पाया दूसरा स्थान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर के तालाबपारा की 9 वर्षीय सिमरन सोनी ने अनोखी सोच के नेशनल डांस स्पर्धा में दूसरा स्थान प्राप्त कर नगर को गौरवान्वित किया है। गौरतलब है कि सिमरन सोनी नगर के राजकुमार पब्लिक स्कूल में कक्षा 5 वीं की छात्रा हैं, ने हाल ही में अंबिकापुर में आयोजित अनोखी सोच द्वारा आयोजित नेशनल लेवल डांस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। स्पर्धा में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों से आए लगभग 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सुरजपुर जिले से केवल सिमरन सोनी ही चयनित हुई थी। बिना किसी प्रोफेशनल ट्रेनिंग या कोरियोग्राफर की मदद के सिमरन ने अपनी मेहनत, लगन और नृत्य के प्रति जुनून के दम पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। सिमरन के पिता रंजीत सोनी और माता नीतू सोनी ने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद वे अपनी बेटी को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जिलेवासियों और प्रशासन से अपील की है कि वे सिमरन को प्रोत्साहन व सहयोग दें ताकि यह नन्ही प्रतिभा आगे चलकर सुरजपुर जिले के अलावा प्रदेश का नाम राष्ट्रीय मंचों पर और भी रोशन कर सके।

मंत्रालय में 1 दिसंबर से लागू होगी आधार आधारित बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग (अधीक्षण शाखा) ने मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रणाली आगामी 1 दिसंबर 2025 से पूर्ण रूप से प्रभावशील होगी। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने मंत्रालय के सभी विभागों के भारसाधक सचिवों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी 7 नवंबर 2025 तक एईबीएएस पोर्टल पर स्व-पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह प्रणाली मंत्रालय में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी।

जयनगर स्कूल में 45 बालिकाओं को मिली सरस्वती साइकिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासन की मंशा अनुरूप बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत जयनगर स्थित शासकीय आजाक हायर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को एक आयोजन हुआ। कार्यक्रम में कक्षा 9 वीं की 45 छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के तहत नि:शुल्क साइकिल वितरित की गई ।मुख्य अतिथि जनपद उपाध्यक्ष मनमत बछाड़ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम है। शासन की सरस्वती साइकिल योजना ने बालिकाओं को वह पंख दिए हैं, जिससे वे अपने सपनों की उड़ान भर सकें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं के लिए यह योजना वरदान साबित हो रही है, जिससे वे अब बिना किसी झिझक या दूरी की चिंता के विद्यालय पहुंच पा रही हैं ।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, एसएमडीसी अध्यक्ष शांतनू सिंह चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े, सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र गंवटिया, प्राचार्य कलिस्ता अक्खड़, कृष्णपाल बिंझिया, ब्रह्मदेव, विरेंद्र कुमार, पंच जीरो बाई, नेपाल सहित अन्य अतिथि भी मंच पर उपस्थित थे। सभी ने मिलकर छात्राओं को साइकिल सौंपते हुए कहा कि यह सिर्फ एक साधन नहीं बल्कि सशक्त नारी, शिक्षित नारी के स्वप्न की दिशा में ठोस कदम है। छात्राओं ने बताया कि वे रोज 4 से 6 किलोमीटर दूर के गांवों से पैदल विद्यालय आती थीं, अब साइकिल मिलने से उनका समय बचेगा और वे पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे सकेंगी। विद्यालय की प्राचार्य कलिस्ता अक्खड़ ने शासन एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से विद्यालय की उपस्थिति में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने छात्राओं से साइकिल का सदुपयोग करने और शिक्षा को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। अतिथियों ने छात्राओं को मेहनत, अनुशासन और नारी सम्मान के मूल्यों को जीवन में उतारने की भी प्रेरणा दी।

माइन क्लोजर सेल के अधिकारियों ने बंद ओसीएम खदान का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल बिश्रामपुर के अभ्युदय सन 1960 से संचालित बिश्रामपुर ओसीएम खदान जो कोयले का भंडार समाप्त होने के बाद वर्ष 2016 से बंद पड़ी हुई है। यहां आज कोल इंडिया के माइन क्लोजर सेल कोलकाता सहित एसईसीएल की तीन सदस्यीय टीम यहां पहुंचकर बंद पड़ी बिश्रामपुर ओसीएम खदान का निरीक्षण किया। बताया जा रहा है कि 1472 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले बिश्रामपुर ओसीएम खदान का कोयला रिजर्व खत्म होने के बाद प्रबंधन ने वर्ष 2016 में इस खदान को बंद करने के लिए डीजीएमएस सहित शीर्ष प्रबंधन को पत्र लिख आधिकारिक रूप से इसके बंदी की प्रक्रिया शुरू की थी। बुधवार को कोल इंडिया कोलकाता क्लोजर माइनिंग सेल के अधिकारी जीएम माइनिंग आरपी दास के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम बिलासपुर के रघुराज सिंह मुख्य प्रबंधक खनन सहित बी. घोष, प्रवीण ओहदार यहां पहुंचकर स्थानीय अधिकारियों के साथ खदान क्षेत्र का निरीक्षण किया है। ज्ञात हो कि माइन क्लोजर सेल के अधिकारी यहां केंद्र सरकार कोयला मंत्रालय के निर्देश पर उत्पादन के बाद अनुपयोगी पड़े इस बड़े भूभाग में पर्यावरण सहित सामाजिक अवधारणा, वित्तीय पोषण का जायजा लिया ताकि आगे इस पर प्लानिंग कर इस दिशा में बेहतर किया जा सके। बता दें कि वर्तमान में इसी खदान क्षेत्र में केनापारा पर्यटन स्थल सहित सोलर पैनल प्लांट और राखड़ डंपिंग का कार्य किया जा रहा है। टीम के अधिकारियों ने इन तीनों स्थल की मौजूदा स्थिति का आकलन कर सुधार की संभावनाओं पर चर्चा की और आगे की कार्ययोजना पर मंथन किया। निरीक्षण के बाद क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह के तत्वाधान में बैठक आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरणीय संरक्षण, पर्यटन पुनरोद्धार और स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। ज्ञात हो कि केनापारा पर्यटन स्थल जो मछली पालन के साथ कभी स्थानीय निवासियों और बाहर से आने वाले सैलानियों के आकर्षण का केंद्र था, आज अपनी उपेक्षा की मार झेल रहा है। जर्जर बेंच, टूटे झूले और यहां अव्यवस्था इसकी पुरानी पहचान को धुंधला कर रही हैं। टीम ने पर्यटन केंद्र का निरीक्षण किया। टीम ने यह भी सुझाव दिया कि पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाली योजनाएं जैसे ईको कैफे, बोटिंग, साइकिल सफारी और हैंडीक्राफ्ट बिक्री केंद्र शुरू किए जा सकते हैं। निरीक्षण उपरांत हुई बैठक में पर्यावरण विभाग के अधिकारी रघुराज सिंह, बी. घोष, प्रवीण ओहदार, आरपी दास सहित क्षेत्रीय प्रबंधन के अधिकारी आशीष बैगल, एसओसी सिविल राविन खलखो, सर्वे अधिकारी सुनील गुप्ता, पर्यावरण नोडल अधिकारी गौतम दत्त, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण सिंह व अन्य उपस्थित रहे। टीम के अधिकारियों ने कहा कि केनापारा क्षेत्र न सिर्फ पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन का भी प्रमुख केंद्र हो सकता है। यहां के प्राकृतिक संसाधनों और हरियाली को संरक्षित करते हुए ऐसा विकास हो जिससे क्षेत्र के लोग आर्थिक रूप से भी सशक्त बन सकें। टीम ने यह भी तय किया कि केनापारा के जीर्णोद्धार कार्यों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाए ताकि लोग स्वयं अपने क्षेत्र के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं। आने वाले समय में यहां सौंदर्यीकरण व अन्य कार्य किए जाने की योजना है। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यदि कोल इंडिया के सहयोग से केनापारा फिर से अपने पुराने रूप में लौटेगा तो यह क्षेत्र के पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान बनाएगा और युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। साथ ही बीस मेगावाट के सोलर प्लांट का भी अधिकारियों ने निरीक्षण किया, जहां बताया गया कि यहां सोलर से उत्पादित बिजली को ग्रिड को बेचा जा रहा है। क्षेत्रीय प्रबंधन जितनी बिजली सीएसईबी से लेता है उत्पादित बिजली को बेचने के बाद शेष राशि को प्रबंधन सीएसईबी को भुगतान करता है। फिलहाल कोल इंडिया अधिकारियों की इस विजिट के बड़े मायने भी निकाले जा रहे हैं। ताप विद्युत परियोजनों से निकले राखड को डंपकर पूरे भूभाग को समतल के बाद सरकार यहां स्थानीय स्तर पर रोजगार विकसित करने कोई बड़ा प्रोजेक्ट भी डाल सकती है ।इन्हीं संभावनाओं पर विचार करने अधिकारियों का दौरा खासा महत्पूर्ण माना जा रहा है, जो आगामी दिनों में कोयलांचल बिश्रामपुर का भाग्य भी संवार सकता है क्योंकि वर्तमान में कोयला खदानों के बंद होने व दूर दूर खदान खुलने के बाद क्षेत्र की स्थिति खासी बिगड़ गई है ।रोजगार और व्यापार के संकट के साथ यहां के लोग अब पलायन को मजबूर हो रहे हैं।

सीएम साय ने बिलासपुर ट्रेन दुर्घटना पर जताया दुःख, कलेक्टर से ली जानकारी

प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहयोग प्रदान करने दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने बिलासपुर जिले के पास हुई ट्रेन दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।उन्होंने इसे अत्यंत दुखद घटना बताया और कहा कि इस दुर्घटना में प्रभावित परिवारों के प्रति राज्य सरकार पूरी संवेदना के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री साय ने दूरभाष पर बिलासपुर जिला कलेक्टर से बात कर घटना की विस्तृत जानकारी लेते हुए प्रभावितों की सहायता के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाए तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जानकारी दी कि रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गई हैं और राहत-बचाव कार्यों में जुटी हैं। घायलों के उपचार के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ स्थिति पर नजर रखे हुए है। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और उनके परिजनों को इस दुखद समय में धैर्य प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन आज रायपुर में देखेंगे एयर शो

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। देश के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का कल रात स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण सिंह देव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने भी उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का स्वागत किया। बता दें कि उपराष्ट्रपति आज नवा रायपुर के सेंध झील में भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम द्वारा आयोजित एयर शो का अवलोकन करेंगे। बाद में वे राजनांदगांव में लखपति दीदी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राधाकृष्णन नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के समापन समारोह में भाग लेकर अपनी यात्रा का समापन करेंगे।

रेल हादसे में घायल लोगों से मिलने अस्पताल पहुंचे डिप्टी सीएम साव

डॉक्टरों को बेहतर से बेहतर इलाज के दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार को बिलासपुर में विभिन्न अस्पतालों का दौरा कर रेल हादसे में घायल मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनके जल्द स्वस्थ लाभ की कामना की। साव ने अस्पताल में डॉक्टरों से चर्चा कर घायलों के स्वास्थ्य के बारे में पूछा और उनके बेहतर से बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 4 नवम्बर को बिलासपुर के लाल खदान के पास हुए रेल हादसे में 11 लोगों की मृत्यु और 20 लोग घायल हो गए हैं। घायलों का इलाज बिलासपुर के सिम्स, अपोलो, रेलवे अस्पताल और अरपा मेडिसिटी अस्पताल में चल रहा है। उप मुख्यमंत्री साव ने इन सभी अस्पतालों का दौरा कर घायलों से मुलाकात की और उनके परिजनों को ढांढस बंधाया।

देश के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का राज्यपाल रमेन डेका ने किया स्वागत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। देश के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का मंगलवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर आगमन हुआ। उनके आगमन पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान विमानतल पर भव्य स्वागत की तैयारियां की गई थीं। उपराष्ट्रपति के स्वागत के लिए राज्य सरकार की ओर से उच्च स्तरीय प्रोटोकॉल व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ-साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण सिंह देव और अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के स्वागत के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें छत्तीसगढ़ की पारंपरिक सौगात भी भेंट की। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह राज्य के लिए गौरव की बात है कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों में से एक पर आसीन उपराष्ट्रपति छत्तीसगढ़ आए हैं। राज्यपाल रमेन डेका ने उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और आतिथ्य देशभर में अद्वितीय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उपराष्ट्रपति के आगमन से प्रदेश के विकास और शैक्षणिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान को नई दिशा मिलेगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि उपराष्ट्रपति का छत्तीसगढ़ आगमन राज्य के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने बताया कि आगामी कार्यक्रमों के दौरान उपराष्ट्रपति प्रदेश के विकास से जुड़ी कई योजनाओं की समीक्षा करेंगे और अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के अनुसार, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन रायपुर प्रवास के दौरान राज्यपाल और मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करेंगे तथा प्रदेश में चल रही प्रमुख परियोजनाओं की जानकारी लेंगे। उनके दौरे के मद्देनजर रायपुर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

सेंध जलाशय के ऊपर आसमान में गूंजा 'जय जोहार' और 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया'

राज्योत्सव पर वायु सेना की टीम का रोमांचक एयर शो

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर बुधवार को नवा रायपुर के सेंध जलाशय के ऊपर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित एरोबेटिक ₹सूर्यकिरण₹ की टीम ने रोमांचक एयर शो का प्रदर्शन किया। देश के उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ हजारों लोगों ने अद्भूत और रोमांचक एयर शो का आनंद लिया। आज प्रदेशवासियों के लिए वायु सेना का एयर शो कमाल का अनुभव रहा। सेंध जलाशय के ऊपर वायु सेना के फाइटर प्लेन्स ने एक के बाद एक कई हवाई करतब दिखाए। आसमान में पंछियों के झुंड की तरह बिल्कुल क्रम से उड़ने वाले फाइटर प्लेन्स के माध्यम से वायु सेना के जाबांजों ने अपने नियंत्रण और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन किया। विमानों के माध्यम से जब आकाश में तिरंगा लहराया तो सेंध जलाशय भारत माता की जय के नारे से गूंज उठा। एयर शो के दौरान ₹सूर्यकिरण₹ टीम के लीडर ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी ने आसमान से छत्तीसगढ़वासियों को रजत महोत्सव की बधाई दी। वहीं छत्तीसगढ़ निवासी भारतीय वायु सेना के स्क्वाड्रन लीडर गौरव पटेल ने सेंध जलाशय के ऊपर अपने कॉकपिट से 'जय जोहार' और 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहकर दर्शकों का अभिवादन किया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, कौशल विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब और सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित विभिन्न निगमों, मंडलों और आयोगों के पदाधिकारी भी एयर शो देखने पहुंचे थे। 'सूर्यकिरण' टीम ने अनुशासन, परस्पर विश्वास, सटीकता और उत्साह के साथ एक घंटे तक वायु सेना के विमानों के साथ कलाबाजी दिखाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। नवा रायपुर के सेंध जलाशय में मौजूद हजारों दर्शक पायलटों के हैरतअंगेज साहस और करतबों को देखकर मंत्रमुग्ध होते रहे। विंग कमांडर ए.व्ही. सिंह के नेतृत्व में वन-एफ-9 और वन-एफ-8 हेलीकॉप्टर यूनिट ने वी-17 और वी-5 हेलीकॉप्टरों से स्लीपरी और स्काई-ऑपरेशन के करतब दिखाए। 'आदिदेव' नाम के इन हेलीकॉप्टरों से केवल 15 मीटर ऊंचाई पर स्थिर रहकर 14 गरूड़ कमांडोज रस्सी के सहारे नीचे उतरे। वहीं स्काई-ऑपरेशन के दौरान आठ गरूड़ कमांडोज रस्सी पर लटककर हेलीकॉप्टर से दर्शकों के सामने से आकाश में उड़ते हुए गुजरे।

उत्तर प्रदेश में अब महिलाएं भी नाइट शिफ्ट में कर सकेंगी काम

कारखानों में 12 घंटे तक काम करने की अनुमति

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। कारखाना (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2024 को मंजूरी मिल गई है। अब महिलाएं भी रात्रि पाली (नाइट शिफ्ट) में काम कर सकेंगी, बशर्ते वे अपनी लिखित सहमति दें और कारखाने में सुरक्षा व स्वास्थ्य संबंधी सभी नियमों का पालन किया जाए। इसके साथ ही कर्मकारों को अब कारखानों में काम की अवधि 12 घंटे प्रतिदिन तक तय की जा सकेगी। हालांकि साप्ताहिक कार्य अवधि 48 घंटे से अधिक नहीं होगी।

नए नियम के अनुसार यदि कोई कर्मचारी अपनी लिखित सहमति देता है तो उसे लगातार छह घंटे तक बिना अंतराल के काम करने की अनुमति होगी। पहले प्रतिदिन काम करने की अधिकतम अवधि नौ घंटे थी, जिसे अब अधिकतम 12 घंटे किया जा सकता है।

सरकार ने ओवरटाइम की सीमा भी बढ़ाई है। पहले यह तिमाही आधार पर 75 घंटे थी, जिसे अब 144 घंटे कर दिया गया है। इसके साथ ही तय सीमा से अधिक काम करने वाले कर्मकारों को साधारण मजदूरी की दोगुनी दर से ओवरटाइम भुगतान दिया जाएगा।

राष्ट्रपति से स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून अब उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 14 वर्ष 2025 के रूप में लागू हो गया है। अधिसूचना के अनुसार यह अधिनियम तीन अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो गया है।

विधायी के प्रमुख सचिव अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि यह संशोधन राज्य के औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देगा और एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पाने में मदद करेगा।

कफ सीरप बनाने वाली मेरठ व कानपुर की तीन कंपनियों को नोटिस

संवाददाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने मेरठ की ग्लैमर फार्मास्युटिकल्स और नार्दन इंडिया कैमिकल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर की सिग्ना फार्मा को दवा निर्माण के जरूरी मानक पूरा न करने के कारण नोटिस जारी किया है।

एफएसडीए ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएसओ) के साथ मिलकर इन दवा कंपनियों में कफ सीरप के निर्माण, गुणवत्ता, भंडारण और आपूर्ति की प्रक्रिया की जांच की थी। जिसमें कई तरह की कमियां पाई गई थी। इससे पहले हापुड़ की एक दवा कंपनी को भी नोटिस जारी किया जा चुका है।

राजस्थान व मध्य प्रदेश में कफ सीरप पीने के कारण बच्चों की मौत के बाद प्रदेश में दवा बनाने वाली कंपनियों का औचक निरीक्षण एफएसडीए व सीडीएसओ कर रहा है। इसी के तहत मेरठ और कानपुर की सिग्ना फार्मा का जोखिम आधारित निरीक्षण (रिस्क बेस्ड इंस्पेक्शन) किया गया। तीनों दवा निर्माण इकाइयों के निरीक्षण में उत्पादन के तरीके, उत्पाद की गुणवत्ता मानकों की जांच, दवा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े दस्तावेजों में गड़बड़ी का पता चला था। इसी आधार पर तीनों कंपनियों को नोटिस जारी किया गया है। इससे पहले हापुड़ की एक दवा निर्माण कंपनी को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है। प्रदेश में दवा की दुकानों के साथ ही कफ सीरप बनाने वाली निर्माण इकाइयों की जांच की गई है। प्रदेश में कुल 17 ऐसी कंपनियां मिली थीं, जो कफ सीरप बना रही थीं। इनमें चार कंपनियों को अब तक नोटिस जारी किया जा चुका है। ड्रग कंट्रोलर शशि मोहन ने बताया कि दवा निर्माण इकाइयों के जवाब का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कफ सीरप के 230 नमूनों में नहीं मिला डीईजी

राजस्थान व मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ सीरप पीने से बच्चों की मौत के बाद प्रदेश में एफएसडीए ने अभियान चलाकर 1064 कफ सीरप के नमूने लिए थे। इनमें से अब तक 230 की जांच की जा चुकी है। अभी तक जांच किए गए किसी भी नमूने में डाइथिलीन ग्लाइकाल (डीईजी) और प्रोपाइलीन ग्लाइकाल (पीईजी) नहीं मिला है। इन्हीं रसायनों की अधिकता के कारण बच्चों की मौत हुई थी। गौरतलब है कि एफएसडीए की जांच में पता चला था कि प्रदेश में कहीं भी कोल्ड्रिफ सीरप की आपूर्ति नहीं हुई थी लेकिन सावधानी बरतते हुए बच्चों के कफ सीरप के नमूने जांच के लिए लिए गए थे।

राजस्व मामलों के निस्तारण में लखनऊ ने मारी बाजी

जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर ने फिर प्राप्त किया पहला स्थान

संवाददाता

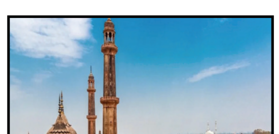

लखनऊ। राज्य में राजस्व मामलों के निस्तारण में इस बार लखनऊ पहले स्थान पर रहा है। वहीं जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर ने पहला स्थान बरकरार रखा है। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की अक्टूबर माह की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी लखनऊ में राजस्व के सबसे अधिक 15,260 मामलों का निस्तारण किया गया है। वहीं अक्टूबर में पूरे प्रदेश में कुल 3,24,897 राजस्व मामलों का निस्तारण किया गया। लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने बताया कि लखनऊ के बाद 10,501 मामलों का निस्तारण कर प्रयागराज दूसरे व 8,165 मामलों को निस्तारित कर गोरखपुर तीसरे स्थान पर रहा है। वहीं कानपुर नगर ने 7,866 मामले निस्तारित कर चौथा और शाहजहांपुर ने 7,707 मामलों का निस्तारण कर पांचवां स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार जनपद स्तरीय मामलों के निस्तारण में जौनपुर ने 480 मामलों का निस्तारण कर पहला, लखीमपुर ने 334 मामलों का निस्तारण कर दूसरा व बस्ती ने 310 मामले निस्तारित तीसरा स्थान हासिल किया है।

कौशल विकास की योजनाओं को लेकर महिलाओं को किया जागरूक

राज्य महिला आयोग ने कौशल विकास की विभिन्न योजनाओं को लेकर महिलाओं को जागरूक किया। गोमती नगर स्थित महिला आयोग के कार्यालय में मंगलवार को कौशल विकास विभाग के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में प्रोजेक्ट प्रवीन, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, शिक्षा और छात्रवृत्ति, व्यापार और उद्यमिता, रोजगार, अधिकारिता, आवास एवं आश्रय सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में महिलाओं को जानकारी दी गई। महिला आयोग की अध्यक्ष डा.बबीता सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में अतिरिक्त प्रबंध निदेशक प्रिया सिंह ने महिलाओं को सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आर्थिक मजबूती के लिए प्रेरित किया। इसके बाद मासिक समीक्षा बैठक में महिलाओं की समस्याओं के निस्तारण की समीक्षा की गई। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, चारू चौधरी सहित आयोग की सदस्य और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

18 से सर्वेयर व सहायक सांख्यिकी अधिकारी समेत अन्य पदों के साक्षात्कार

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार कार्यक्रम घोषित कर दिया है। पेंटर, सर्वेयर, अनुदेशक (मैकेनिक ट्रैक्टर), मैकेनिक (मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स), लेदर गुड्स मेकर और सहायक सांख्यिकी अधिकारी के पदों के लिए 18 नवंबर से साक्षात्कार शुरू होंगे।

आयोग के अनुसार, प्रशिक्षण व सेवायोजन के अधीन पेंटर के छह पदों के लिए 75, सर्वेयर के दो पदों के लिए 18, अनुदेशक (मैकेनिक ट्रैक्टर) के आठ पदों के लिए 77, मैकेनिक (मेडिकल इलेक्ट्रानिक्स) के दो पदों के लिए 10, लेदर गुड्स मेकर के एक पद के लिए चार, और उद्योग निदेशक के अधीन सहायक सांख्यिकी अधिकारी के 16 पदों के लिए 92 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है। इन सभी पदों के लिए वर्ष 2016 में विज्ञापन जारी किए गए थे। साक्षात्कार 18 से 21 नवंबर के बीच आयोजित किए जाएंगे। आयोग की वेबसाइट पर अभ्यर्थियों की सूची, साक्षात्कार की तिथि और समय से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध कराई गई है। अभ्यर्थियों को उनकी शैक्षिक योग्यता और अधिमान्यता के आधार पर साक्षात्कार के लिए शार्टलिस्ट किया गया है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय पर आयोग की वेबसाइट देखकर अपनी साक्षात्कार तिथि और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्राप्त कर लें।

मनरेगा से आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण की बढ़ेगी गति

ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) कन्वर्जेंस से ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में 1568 केंद्रों का निर्माण पूरा किया जा चुका है, जबकि 7809 निमार्णाधीन हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। विभाग के अनुसार, वर्ष 2022-23 से अब तक 9,071 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा चुका है। सभी पंचायतों में आंगनबाड़ी केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है।

महिला श्रद्धालु पर अभद्र टिप्पणी, विरोध करने पर युवक को दबंगों ने दांतों से काटकर किया घायल, मुकद्मा दर्ज

संवाददाता

लखनऊ। मां चन्द्रिका देवी के दर्शन को जा रहे एक परिवार के साथ दबंगों ने अभद्रता कर दी। महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने पर जब युवक ने विरोध किया तो आरोपितों ने लाठी-डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी और दांतों से काटकर घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सीतापुर के कनकारी निवासी शोभित अवस्थी सोमवार को अपने परिवार के साथ मां चन्द्रिका देवी मंदिर दर्शन को जा रहे थे। रास्ते में माल थाना क्षेत्र के अक्षयवट हरिवंश मंदिर में परिवार संग दर्शन कर रहे थे, तभी वहां मौजूद चार अराजकतत्वों ने उनकी पत्नी व परिजनों पर अभद्र टिप्पणी कर दी। शोभित ने जब विरोध किया तो आरोपितों ने लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। परिजन बीच-बचाव करने पहुंचे तो उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दबंगों ने शोभित को दांतों से काट लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया। इस संबंध में माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री मॉडल विद्यालयों के निर्माण में तेजी लाने पर जोर

डीपीआर जल्द भेजने का आदेश

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री माडल कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण की रफ्तार तेज की जा रही है। जिन जिलों में अभी तक विद्यालयों के लिए निश्शुल्क भूमि नहीं दी गई है, वहां के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे जिलाधिकारी से मिलकर उपयुक्त जमीन जल्द उपलब्ध कराएं। सभी को निर्देश है कि विद्यालय निर्माण कार्य में देरी न हो और सभी जरूरी औपचारिकताएं तय समय में पूरी कर ली जाएं। अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा है कि जिन जिलों में भूमि चिह्नित की जा चुकी है, वहां उसे शिक्षा विभाग के नाम दर्ज कराते हुए खतौनी की प्रति तुरंत भेजी जाए। जिन जिलों में जमीन का चयन नहीं हुआ है, वहां के जिलाधिकारियों को अलग से पत्र भेजा जाएगा। सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को यह भी निर्देश है कि वे अपनी-अपनी कार्यदायी संस्थाओं से समन्वय कर डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) जल्द समग्र शिक्षा राज्य परियोजना कार्यालय को भेजें। गोरखपुर में लोक निर्माण विभाग की संस्था ने बताया कि वहां मिली जमीन की चौड़ाई मानक से कम है। इस पर अपर मुख्य सचिव ने कहा कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्राधिकरण और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की बैठक कर समस्या का समाधान किया जाए।

साचीज के कार्यालय से ही मिलेगा नए आयुष्मान कार्ड का अनुमोदन, प्रकिया हुई आसान

स्मार्ट प्रीपेड मीटर की कीमत 10 साल तक ब्याजमुक्त किस्तों में लेने का प्रस्ताव, वित्तीय अनियमितता का आरोप

सम्पादकीय

जीत के पीछे तपस्या, कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता

यह कहावत पूरी तरह से सच है कि कामयाबी के पीछे तपस्या, यानी कड़ी मेहनत, समर्पण व दृढ़ता होती है। सफलता आसानी से नहीं मिलती, बल्कि इसके लिए स्पष्ट लक्ष्य, सही योजना, लगातार प्रयास और असफलताओं से सीखने की ज़रूरत होती है। किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत से जुट जाना ज़रूरी है। यही किया है भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से टीम ने 52 साल बाद विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जीत लिया है। रविवार को मुंबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत की लड़कियों ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराया। ये वो टीम है, जिसके हर खिलाड़ी की कहानी प्रेरणा देती है। किसी के माता-पिता ने दिहाड़ी मजदूरी कर बेटी को क्रिकेटर बनाया है तो किसी के पैरेंट्स सरकारी जॉब में रहे हैं। किसी के पिता ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं तो किसी के घरवाले सब्जी बेचते रहे हैं, लेकिन इन बेटियों ने अपने खुद के हौसले के दम पर नई उड़ान भरी है। फाइनल मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच रही शेफाली वर्मा रोहतक की रहने वाली हैं। इनके पिता ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं और मां गृहणी हैं। रेणुका सिंह की मां दर्जा चार की कर्मचारी हैं। राधा यादव के पिता सब्जी बेचते हैं। उमा छेदी के माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। अब इनकी लाड़लियों ने अपने जज्बे से नया इतिहास लिख दिया है। विश्व चैंपियन बनने के पीछे केवल खिलाड़ियों का ही नहीं, बल्कि माहौल और सुविधाओं का भी अहम योगदान रहा है, जो बीसीसीआई ने उन्हें उपलब्ध करवाईं। वो समय था जब भारत का महिला क्रिकेट इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज से बहुत पीछे था, लेकिन विमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत के बाद हालात बदल गए। जय शाह से पहले सभी बीसीसीआई अध्यक्ष इसे शुरू करने का प्लान ही बनाते रह गए, शाह ने इसकी शुरुआत 2023 में कर दी। ऐसे प्लेटफॉर्म पर युवा और घरेलू प्लेयर्स को विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलने और सीखने का मौका मिलता है। इतना ही नहीं, प्लेयर्स एक महीने तक इंटरनेशनल लेवल की ट्रेनिंग, बेहतर कोच और प्रेशर सिचुएशन का सामना करने लगीं, जिसका फायदा इंडिया विमेंस टीम को भी मिला। इन्हीं मुकाबलों से टीम इंडिया को यास्तिका भाटिया, श्रेयांका पाटील, अमनजोत कौर, श्री चरणी, क्रांति गौड़ जैसी युवा और आक्रामक प्लेयर्स मिलीं। यास्तिका और श्रेयांका इंजरी के कारण वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं बन सकीं, लेकिन बाकी प्लेयर्स ने भारत को फाइनल में पहुंचाने में अहम योगदान दिया। इस जीत के पीछे टीम के कोच का भी अहम रोल रहा। विश्व कप जीत के बाद जैसे ही हेड कोच अमोल मजूमदार सामने आए, वैसे ही हरमनप्रीत ने दोनों हाथों से उनके पैर छुए। जो बताता है कि टीम को इस मुकाम तक पहुचाने में उनका कितना योगदान रहा है। वैसे भी अनेक खिलाड़ियों ने भी इस विश्व कप को अमोल मजूमदार द्वारा बनाई गई रणनीति की ही जीत बताया है। हालात जो भी हों भारत की बेटियों ने 2 नवंबर 2025 के दिन को इतिहास के पन्नों में अमर कर दिया है। भारतीय महिला टीम ने वो कारनामा किया जो 1983 में कपिल देव की टीम ने किया था। किसी ने भी मुकाबले की शुरूआत में नहीं सोचा था कि टीम इंडिया विश्व चैंपियन बनेगी, लेकिन हमारी बेटियों ने आखिरकार वह कर दिखाया। जिससे पूरा देश गौरवान्वित और सम्मानित मसूस कर रहा है।

विजेता
विकेश कुमार बडोला

भारत को स्त्री विश्व क्रिकेट की निर्णायक प्रतियोगिता में विजय प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि पूरे 52 वर्ष में मिली है। यह भारतीय स्त्री क्रिकेट के लिए एक अविस्मरणीय समय है। किंतु इस उपलब्धि की अतिप्रसन्नता एवं आत्ममुग्धता खिलाड़ियों पर हावी नहीं होनी चाहिए। संभवतः यही कारण रहा था अथवा निर्णायक प्रतियोगिता का दबाव-तनाव जो हरमनप्रीत एवं स्मृति ने अति सुरक्षात्मक होकर दब्बू बनकर बल्लेबाजी की तथा परिणामस्वरूप दोनों देर तक भी नहीं खेलीं एवं अधिक गेंदें खर्च करके कम रन बनाकर बाहर हो गईं। भविष्य में ऐस दबाव से बचा जाना चाहिए।

स्त्री क्रिकेट का अविस्मरणीय समय

यह पहली बार है जब भारतीय स्त्रियों ने क्रिकेट की विश्व-प्रतियोगिता में उल्लेखनीय विजय प्राप्त की है। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में 2 नवंबर को खेली गई वन डे क्रिकेट प्रतियोगिता स्त्री-क्रिकेट के दृष्टिकोण से एक विहंगम प्रतियोगिता थी। विश्व में जब से स्त्री-क्रिकेट का प्रारंभ हुआ है तब से लेकर रविवार तक कभी भी महिलाओं की क्रिकेट प्रतिस्पर्द्धा देखने स्टेडियम में इतनी अधिक संख्या में दर्शक एकत्रित नहीं हुए। पूरा स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। इतना ही नहीं, जियो हॉटस्टार पर उक्त प्रतियोगिता का सजीव प्रसारण विजयी क्षण तक विश्वभर के 30 करोड़ से अधिक लोगों ने देखा। रविवार को ही स्त्री-क्रिकेट की इस निर्णायक प्रतियोगिता के आरंभ होने से पूर्व ऑस्ट्रेलिया के होबॉर्ट में भारत-ऑस्ट्रेलिया के मध्य टी-20 की एक पुरुष-क्रिकेट प्रतियोगिता भी खेली गई थी। हालांकि इस प्रतिस्पर्द्धा में भी भारत की विजय हुई, किंतु जियो हॉटस्टार पर इसकी प्रसारणावधि में इसे देखने वाले मात्र 16 करोड़ दर्शक ही थे। अब जब स्त्री-क्रिकेट में भारत विश्वविजेता बन चुका है तथा स्त्रियों की क्रिकेट क्रीड़ा देखने प्रत्यक्ष रूप में स्टेडियम पर व अप्रत्यक्ष रूप में सजीव प्रसारण मंचों पर देशी-विदेशी दर्शकों की संख्या करोड़ों में पहुंच रही है, तो विश्वविजयी प्रतियोगिता में भारतीय स्त्रियों के सामूहिक एवं व्यक्तिगत योगदान पर विचार-विमर्श अनिवार्य हो जाता है।

चिरप्रतीक्षित स्त्री विश्व क्रिकेट की अंतिम व निर्णायक प्रतिस्पर्द्धा निर्धारित समय पर आरंभ नहीं हो सकी थी। दक्षिण भारत में परिव्याप्त मोंथा चक्रवात के प्रभाव में महाराष्ट्र भी था और प्रतियोगिता आरंभ होने से ठीक पूर्व नवी मुंबई के डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम पर भी वर्षा होने लगी थी। इस कारणवश प्रतियोगिता विलंब से आरंभ हुई। यह आनंद का समाचार था कि प्रतियोगिता में दोनों प्रतियोगी दल निर्धारित पचास-पचास ओवर की ही क्रीड़ा करेंगे। टॉस दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लौरा वोल्वार्ड ने जीता और पहले बॉलिंग करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित भारतीय टीम ने हालांकि संतुलित और धैर्यपूर्ण ढंग से बल्लेबाजी आरंभ की और भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने क्रमशः 87 व 45 रन बनाए। जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ती रही भारतीयों द्वारा छोटी-छोटी साझेदारियां बनती रही और नियमित अंतराल में बल्लेबाज आउट भी होती रहीं। इस निर्णायक प्रतिस्पर्द्धा से पूर्व ऑस्ट्रेलिया के साथ हुई स्पर्द्धा में अग्र बल्ला प्रदर्शनकारी शतकधारी जेमिमा रोड्रिग्स और दल नायिका हरमनप्रीत कौर क्रमशः 24 व 20 रन बनाकर बाहर हो गईं। इसके बाद दीप्ति शर्मा (58 गेंद पर 58 रन) ने पहले अमनजौत कौर (12) और फिर ऋचा घोष (26 गेंद पर 34 रन) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां करके भारत के रन 298 तक पहुंचाए। जहां भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा एवं ऋचा घोष ने कम गेंद खेलकर उपयोगी रन बनाए, वहीं हरमनप्रीत कौर एवं स्मृति मंधाना ने क्रमशः कप्तान व उप कप्तान के रूप में अधिक गेंदें व्यर्थ करके कम रन बनाए। इस कारण भारत की रन गति में होती रही एक नियमित वृद्धि बार-बार रुकती रही। यदि हरमनप्रीत एवं

स्मृति ने अपनी खेली हुई गेंदों के बराबर भी रन बनाए होते तो भारत के कुल रन अंक सवा तीन सौ के निकट होते। यदि भारत इस प्रतिस्पर्द्धा में पराजित होता तो पराजय के दो अग्रणी दोषियों के रूप में हरमनप्रीत एवं स्मृति तथा द्वितीयक दोषी के रूप में राधा यादव की गणना अवश्य होती।

भारतीय रन 298 को पार करने मैदान में उतरी दक्षिण अफ्रीका टीम ने भी मजबूत बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। अफ्रीकी दल नायिका लौरा वोल्वार्ड एवं ताजमिन ब्रिट्स ने उल्लेखनीय पारी खेलीं। लौरा ने प्रतिस्पर्द्धा के लगभग अंत तक संघर्ष किया कप्तान के रूप में अपेक्षित प्रदर्शन करते हुए 101 रन बनाए। शतक बनाने में उन्होंने सौ से कम गेंदें खेलीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से ब्रिट्स (23), सुने लुस (25) एवं एनेरी डर्कसन (35) ही दहाई के अंक में रन बना सकीं। गेंदबाजी में सर्वाधिक विकेट दीप्ति शर्मा ने लिए। उन्होंने 9.3 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके बाद शेफाल वर्मा ने 7 ओवर में 36 रन देकर 2 महत्त्वपूर्ण विकेट लिए। भारत की ओर से तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने हालांकि कोई विकेट नहीं लिया, किंतु उनकी गेंदबाजी ने सबसे कम रन दिए। उन्होंने 8 ओवर में मात्र 28 रन दिए। इसके बाद श्री चरणी भी अपने सातवें ओवर तक अति मितव्ययी गेंदें फेंक रही थीं। यदि उनके अंतिम दो ओवरों में एनेरी डर्कसन चौके-छक्के नहीं लगाती तो वे भी अपने कुल 9 ओवरों में 48 रन न देकर रेणुका के बराबर ही मितव्ययी होतीं। चरणी ने एक विकेट भी लिया। गेंदबाजी में अमनजोत कौर एवं राधा यादव का प्रदर्शन निराशाजनक था। क्रांति गौड मात्र 3 ओवर फेंक पाई, जिसमें उन्होंने 16 रन दिए। पहले 87 रन बनाने और बाद में कम रन देकर 2 विकेट प्राप्त करनेवाली शेफाली वर्मा को निर्णायक प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। ध्यान रहे कि भारतीय प्रथम बल्लाधारकों में से एक प्रतिका रावल के पैर में गंभीर चोट लगने के कारण उप-निर्णायक एवं निर्णायक प्रतियोगिता में ही शेफाली वर्मा को आपातिक स्थिति में भारतीय स्त्री क्रिकेट दल में सम्मिलित किया गया था। स्त्री क्रिकेट की इस विश्व प्रतियोगिता में पूरी श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में दीप्ति शर्मा का चयन किया गया। उन्होंने सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह पुरस्कार प्राप्त किया। बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी या फिर क्षेत्ररक्षण तीनों ही स्तर पर उनके परिणामोन्मुखी प्रदर्शन ने उन्हें श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी होने का गौरव प्रदान किया। यदि विश्व प्रतियोगिता के निर्णायक संघर्ष में प्राप्त सफलता के सबसे बड़े कारण को देखें तो यह भारतीय दल का सामूहिक चहुंदिश प्रदर्शन था, इसमें सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण रहा क्षेत्ररक्षण। बल्लेबाजी में हरमनप्रीत, स्मृति, अमनज्योत, जेमिमा एवं राधा ने यद्यपि अच्दा प्रदर्शन नहीं किया, किंतु क्षेत्ररक्षण में सभी का योगदान उल्लेखनीय रहा। इसी प्रकार गेंदबाजी में जहां अमनज्योत एवं राधा का प्रदर्शन विफलता का कारक हो सकता था, वहीं क्षेत्ररक्षण में दोनों का प्रदर्शन अति परिश्रमपूर्ण रहा। इसी दल भावना की शक्ति द्वारा अंततः भारत को स्त्री विश्व क्रिकेट की निर्णायक प्रतियोगिता में विजय प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि पूरे 52 वर्ष बाद प्राप्त हुई है। यह भारतीय स्त्री क्रिकेट के लिए एक अविस्मरणीय समय है। किंतु इस उपलब्धि की अतिप्रसन्नता एवं आत्ममुग्धता खिलाड़ियों पर हावी नहीं होनी चाहिए। संभवतः यही कारण रहा था अथवा निर्णायक प्रतियोगिता का दबाव-तनाव जो हरमनप्रीत एवं स्मृति ने अति सुरक्षात्मक होकर दब्बू बनकर बल्लाकारिता की तथा परिणामस्वरूप दोनों देर तक भी नहीं खेलीं एवं अधिक गेंदें व्यय करके कम रन बनाकर बाहर हो गईं। भविष्य में इससे बचा जाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

वायु प्रदूषण
डॉ. नीलू तिवारी

भविष्य की जरूरतों को पूरा करेगी हरित ऊर्जा

हाल ही में दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण होती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या विकास की कीमत प्रदूषण होनी चाहिए? क्या आधुनिक भारत प्रदूषण की छाया में ही आगे बढ़ेगा? इन्हीं सवालों का उत्तर खोजते हुए भारत ने एक नई दिशा अपनाई हरित ऊर्जा की ओर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 नवम्बर 2021 को ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन–सीओपी26 के दौरान जब पंचामृत संकल्प की घोषणा के तहत वर्ष 2070 तक "नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन" लक्ष्य रखा, तो उन्होंने यह स्पष्ट कहा था कि भारत विकास करेगा पर प्रकृति के साथ। इसी दृष्टिकोण ने भारत को जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) पर निर्भरता से मुक्त कर हरित ऊर्जा की राह पर आगे बढ़ाया है। मोदी सरकार की प्रमुख पहल प्रधानमंत्री सौर घर मुफ्त बिजली योजना ने आम जनता को इस परिवर्तन का सहभागी बनाया है। इस योजना के तहत लाखों परिवारों ने अपने घरों की छतों पर सौर पैनल लगवाए हैं। नतीजा यह है कि अब वे हर महीने 200-300 यूनिट मुफ्त बिजली पा रहे हैं और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी अर्जित कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले की गृहिणी बताती हैं कि पहले हर महीने बिजली का बिल देना पड़ता था। अब सौर पैनल से घर चल रहा है और 1500 रुपये की बचत भी हो रही है। यह उदाहरण बताता है कि हरित ऊर्जा केवल पर्यावरण के लिए नहीं, बल्कि आम नागरिक के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए भी वरदान है। सौर ऊर्जा केवल घरों तक सीमित नहीं रही। अब गांवों में स्कूल, पंचायत भवन और छोटे उद्योग भी सौर बिजली से चल रहे हैं। राजस्थान का भड़ला सौर पार्क, जो 14,000 एकड़ में फैला है, दुनिया का सबसे बड़ा सौर पार्क है।

हरित ऊर्जा का दूसरा मजबूत स्तंभ है पवन ऊर्जा। तमिलनाडु और गुजरात जैसे राज्य अब देश की बिजली जरूरतों का बड़ा हिस्सा हवा से पैदा कर रहे हैं। 2025 में शुरू हुई ऑफशोर विंड एनर्जी योजना के तहत समुद्र तटों पर विशाल टरबाइन लगाए गए हैं, जिनसे 15 गीगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है। यह न केवल स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का उदाहरण है, बल्कि इससे तटीय इलाकों में रोजगार और पर्यटन के अवसर भी बढ़े हैं। वहीं, भारत ने हरित हाइड्रोजन मिशन के जरिए विश्व को चौंका दिया है। 2030 तक भारत पांच मिलियन टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य लेकर चल रहा है। गुजरात, ओडिशा और तमिलनाडु में बड़े संयंत्रों की स्थापना हो चुकी है। इसका उपयोग भविष्य में रेलवे, उद्योग और जहाजरानी में किया जाएगा। यह पहल न केवल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाएगी, बल्कि भारत को स्वच्छ ऊर्जा निर्यातक राष्ट्र बनाएगी।

हरित ऊर्जा का एक और बड़ा अध्याय है इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम। इस कार्यक्रम से पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जा रहा है, ताकि प्रदूषण घटे और विदेशी तेल पर निर्भरता कम हो। पहले जहां पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा केवल 1.5 प्रतिशत थी, वहीं अब यह 12 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के गन्ना किसान अब अपनी फसलों से ईंधन तैयार कर रहे हैं। महाराष्ट्र की महिला किसान बताती हैं कि इथेनॉल उत्पादन के लिए उनका गन्ना अब बड़ी कंपनियों को बेचा जाता है और उन्हें पहले से अधिक आमदनी हो रही है। यह उदाहरण दर्शाता है कि हरित ऊर्जा ग्रामीण भारत में भी आर्थिक क्रांति ला रही है। अगर किसानों की बात करें तो मोदी सरकार की कुसुम योजना ने ग्रामीण जीवन को नई दिशा दी है। अब तक देशभर में 35 लाख से अधिक सौर पंप लगाए जा चुके हैं। पहले जो किसान बिजली कटौती और डीजल खर्च से परेशान थे, अब वे सौर ऊर्जा से दिन-रात खेती कर पा रहे हैं। राजस्थान के टोंक जिले में किसान बताते हैं कि पहले महीने में 2000 रुपये का डीजल खर्च होता था, अब वही पैसा बच रहा है और सौर पंप से बिना रुकावट सिंचाई हो रही है। यह योजना सीधे किसानों को आत्मनिर्भर बना रही है। मोदी सरकार ने सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और इथेनॉल जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाकर यह सिद्ध किया है कि विकास और पर्यावरण साथ-साथ चल सकते हैं। भारत की यह पहल इस दृष्टि से भी प्रासंगिक है कि यह देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर कर रही है। इन उपायों से भारत स्वच्छ, आत्मनिर्भर और टिकाऊ ऊर्जा के भविष्य की ओर और तेज़ी से बढ़ सकता है।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जानिए कैसे चेतना को विस्तृत करता है योग?

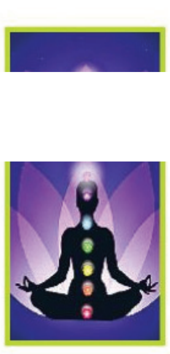

संकलित
दर्शन

योग के आठ अंग हैं और उनमें से मात्र एक अंग है शारीरिक मुद्राएं या आसन। योग मात्र व्यायाम नहीं है, इसमें मुख्य बात मन की समरसता को बनाए रखना है। जब आप कोई भी कार्य सजगता से करते हैं, तब आप इस बात के प्रति सजग होते हैं कि आप क्या कह रहे हैं। यही आपको योगी बनाता है। योग के प्रतिपादक पतंजलि ने बताया है कि योग का उद्देश्य दुख को आने से पहले ही दूर कर देना है। लालच, क्रोध, जलन, घृणा, निराशा आदि नकारात्मक भावनाओं को योग से मिटाया जा सकता है। जब आप खुश होते हैं, तब आप अपने भीतर एक विस्तार की भावना का अनुभव करते हैं। विफलता या अपमान की स्थिति में लगता है कि हमारे भीतर कुछ सिकुड़ गया है। इस पर ध्यान देना ही योग है, जिसका हमारे खुश हो जाने पर विस्तार होता है और जो हमारे दुखी हो जाने पर सिकुड़ जाता है। मन की इस स्थिति को परिवर्तित करने का रहस्य योग में है। यह आपको स्वतंत्र बनाता है। अपनी ही भावनाओं के द्वारा पीड़ित होने के बजाय आप जिस समय जैसा महसूस करना चाहते हैं, योग उसके लिए आपको शक्ति प्रदान करता है। योग निश्चित रूप से आपको अधिक जिम्मेदार बनाता है, क्योंकि योग से आपके भीतर ऊर्जा एवं उत्साह उत्पन्न होता है। आप तब जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते हैं, जब आप थके हुए और तनावग्रस्त होते हैं। यदि आपने अपनी थकान और तनाव को संभाल लिया, तब आप निश्चित रूप से अधिक जिम्मेदारी उठाएंगे और आपके भीतर हल्कापन भी बना रहेगा।

धैर्य से काम लेने में ही समझदारी

संकलित
प्रेरणा

एक बार महात्मा बुद्ध अपने कुछ शिष्यों के साथ एक गांव में भ्रमण कर रहे थे। उन दिनों कोई वाहन नहीं हुआ करते थे सो लोग पैदल ही मीलों की यात्रा करते थे। ऐसे ही गांव में घूमते हुए काफी देर हो गई थी। बुद्ध जी को काफ़ी प्यास लगी थी। उन्होनें अपने एक शिष्य को गांव से पानी लाने की आज्ञा दी। जब वह शिष्य गांव में अंदर गया तो उसने देखा वहां एक नदी थी जहां बहुत सारे लोग कपड़े धो रहे थे कुछ लोग नहा रहे थे तो नदी का पानी काफ़ी गंदा सा दिख रहा था। शिष्य को लगा कि गुरु जी के लिए ऐसा गंदा पानी ले जाना ठीक नहीं होगा, ये सोचकर वह वापस आ गया। महात्मा बुद्ध को बहुत प्यास लगी थी इसीलिए उन्होनें फिर से दूसरे शिष्य को पानी लाने भेजा। कुछ देर बाद वह शिष्य लौटा और पानी ले आया। महात्मा बुद्ध ने शिष्य से पूछा कि नदी का पानी तो गंदा था फिर तुम साफ पानी कैसे ले आए। शिष्य बोला की प्रभु वहां नदी का पानी वास्तव में गंदा था लेकिन लोगों के जाने के बाद मैंने कुछ देर इंतजार किया। और कुछ देर बाद मिट्टी नीचे बैठ गई और साफ पानी उपर आ गया। बुद्ध यह सुनकर बड़े प्रसन्न हुए और बाकी शिष्यों को भी सीख दी कि हमारा ये जो जीवन है यह पानी की तरह है। जब तक हमारे कर्म अच्छे हैं तब तक सब कुछ शुद्ध है, लेकिन जीवन में कई बार दुख और समस्या भी आते हैं जिससे जीवन रूपी पानी गंदा लगने लगता है। कुछ लोग पहले वाले शिष्य की तरह बुराई को देख कर घबरा जाते हैं और मुसीबत देखकर वापस लौट जाते हैं, वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाते।

गुलदाउदी की बहार

श्रीनगर में गुलदाउदी गार्डन में घूमते हुए लोग, जिसे बाग-ए-गुल-ए-दाऊद के नाम से भी जाना जाता है।

आज की पाती

धन और अन्न शादियों में बर्बाद न करें

त्योहारों के साथ-साथ अब शादियों का मौसम भी शुरू हो गया है। हमारे देश में शादी समारोह में भी फिजूलखर्ची लोक दिखावे के लिए होने लगी है। लोक दिखावे के लिए लोग अपने पैर चादर से बाहर भी पसार देते हैं। कुछ समय पहले शादियों में फिजूलखर्ची को रोकने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री रह चुकी कृष्णा तीरथ ने सुझाव दिया था कि उनके अनुसार चाय और नमकीन में भी फेरे लेकर विवाह की रस्म निभाई जा सकती है। इसके लिए लाखों रुपए फूंकने की क्या जरूरत है। जो कि बहुत ही सराहनीय है। अमीर लोगों को तो लाखों रुपए खर्च करने से तो कोई फर्क नहीं पड़ता है। गरीब अगर विवाह समारोहों में लाखों खर्चा करने लग पड़ेगा तो वो सारी जिंदगी गरीबी की दलदल में धंस जाएगा।

– विशेष अग्रवाल, रायगढ़

ट्रेंड

हार्दिक बधाई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सभी सदस्यों को विश्व कप जीतने पर हार्दिक बधाई। उन्होंने पहली बार जीत हासिल करके इतिहास रच दिया। वे अच्छा खेल रही हैं और आज उन्हें अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन के अनुरूप परिणाम मिला है।
-द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

तीन बंदर

आज इंडिया गठबंधन के तीन और बंदर आ गए हैं- पप्पू, टप्पू और अप्पू... पप्पू सच बोल नहीं सकता, टप्पू अच्छा देख नहीं सकता, अप्पू सच सुन नहीं सकता। इसके बावजूद ये लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जनता इन पर भरोसा करेगी।
-योगी आदित्यनाथ, सीएम यूपी

ऐतिहासिक जीत

यह एक जीत ऐतिहासिक है, भारत के लिए और भारत की औरतों के लिए। आज हमने अपनी महिला क्रिकेट टीम के लिए वही जोश, वही आंसू और वही जश्न मनाया, जो हम अपनी पुरुष टीम के लिए मनाते आए हैं। 60 मिलियन से ज्यादा लोगों ने मैच देखा, एक देश, एक इमोशन, एक जज्बा।
-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

अदम्य इच्छाशक्ति

भारतपुत्रियों ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, अविचल धैर्य और अविराम पुरुषार्थ से वह विजयगाथा अंकित की है, जो लंबे समय तक भारत की स्मृति में अक्षय कीर्तिलेख रूप में प्रतिष्ठित रहेगी।
-कुमार विश्वास, हिन्दी कवि

करंट अफेयर

हेगसेथ ने दक्षिण व उत्तर कोरिया का किया दौरा

अमेरिक के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने सोमवार को उत्तर और दक्षिण कोरिया के सीमा पर स्थित असैन्यीकृत क्षेत्र का दौरा किया। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षा वार्ता के लिए अपने सहयोगी दक्षिण कोरिया की दो दिवसीय यात्रा की भी शुरुआत की। हेगसेथ और दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्री आहन ग्यू-बैक को निगरानी चौकी में सैन्य अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी दी। यह चौकी सैन्य सीमांकन रेखा के पास है, जहां का दौरा अमेरिका के कई राष्ट्रपति कर चुके हैं जिनमें 2019 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हैं। हेगसेथ और बैक ने पनमुनजोम सीमावर्ती गांव का भी दौरा किया, जहां 1950-53 के कोरियाई युद्ध को रोकने के लिए एक युद्धविराम पर हस्ताक्षर किए गए थे। बैक के मंत्रालय ने कहा कि इस दौरे ने मित्र देशों के बीच 'मज़बूत संयुक्त रक्षा रुख और घनिष्ठ समन्वय की पुष्टि की'। दक्षिण कोरिया की सेना ने सोमवार को बताया कि देश के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल जिन योंग-सुंग और उनके अमेरिकी समकक्ष जनरल डैन केन ने प्योंगटेक में एक प्रमुख अमेरिकी सैन्य अड्डे के ऊपर दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमानों के 'फ्लाईपास्ट' का निरीक्षण किया।

ऑफ बीट

महिलाएं घर में 427 अरब डॉलर का अवैतनिक श्रम करती है

ऑस्ट्रेलिया में लोग खाना पकाने, घर की साफ-सफाई और परिवार के सदस्यों की देखभाल जैसे अवैतनिक कार्यों में हर साल हजारों घंटे बिता देते हैं, जो अर्थव्यवस्था को बांधे रखने वाला एक अहम सूत्र है। लेकिन उन्हें आधिकारिक आर्थिक आंकड़ों में कोई मान्यता नहीं दी जाती। नया अध्ययन अर्थव्यवस्था में इस अवैतनिक श्रम के योगदान पर प्रकाश डालता है, जिसे 688 अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास आंका गया है। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है और इसमें अधिकांश योगदान महिलाओं का है। रोजाना औसतन 3 घंटे 56 मिनट घरेलू कामों में बीतते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाएं रोजाना औसतन 3 घंटे और 56 मिनट का समय अवैतनिक काम एवं देखभाल में बिता देती हैं, जो प्रति सप्ताह 771 अमेरिकी डॉलर के बराबर है। वहीं, पुरुष अवैतनिक काम एवं देखभाल पर रोजाना औसतन 2 घंटे और 28 मिनट का समय खर्च करते हैं, जो प्रति सप्ताह 493 अमेरिकी डॉलर के बराबर है। आबादी के हिसाब से देखें तो महिलाएं हर साल औसतन 427.3 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर अवैतनिक श्रम करती हैं, जबकि पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 261 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर है।

प्रचार के अंतिम दिन पक्ष विपक्ष के तमाम दिग्गज मैदान में उतरे

पीएम मोदी ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ नमो एप से किया संवाद
बहन-बेटियां एनडीए को विजयी बनाने के लिए उत्सुक दिख रहीं

नई दिल्ली,

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के चुनाव प्रचार का मंगलवार को आखिरी दिन था। भाजपा, जदयू, राजद और कांग्रेस समेत अनेक पार्टियों के दिग्गज नेता बिहार के विभिन्न जिलों में धुआंधार चुनाव प्रचार में हिस्सा ले रहे हैं। पीएम मोदी ने बिहार की महिला कार्यकर्ताओं के साथ नमो एप के माध्यम से संवाद किया। पीएम मोदी ने जब यह पूछा कि बिहार की सरकार ने एक करोड़ 40 लाख महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए की सीधा मदद पहुंचाई, ताकि महिलाएं अपने पैर पर खड़ी हों। इस पर महिला प्रतिनिधि ने कहा डिजिटल इंडिया होने के कारण महिलाओं को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। इससे महिलाओं को अपना छोटा सा रोजगार शुरू करने में मदद मिली। पहले बिचौलिया योजनाओं का पैसा खा जा रहे थे, लेकिन अब लाभ मिल रहा है।

महिलाएं जंगलराज के खिलाफ दीवार बनकर खड़ीं

महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पीएम मोदी।

पीएम मोदी ने जंगल राज का जिक्र किया और पूछा कि आपलोग जब नई पीढ़ी को यह बात बताते हैं तो उनका क्या रिएक्शन होता है। इस पर संवाद में मौजूद महिला ने उस दौरान की घटना का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि अब बिहार की महिलाएं जंगलराज के खिलाफ दीवार बनकर खड़ी हैं। बिहार की महिलाएं अब दिन हो या रात घर से बाहर निकलकर काम कर रही हैं।

हर रैली पहले वाली रैली का रिकॉर्ड तोड़ रही

'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' महिला संवाद में पीएम मोदी ने कहा कि बिहार का कार्यकर्ता जी जान से जुटा हुआ है। आप सभी बहुत परिश्रम कर रहे हैं। हर रैली पहले वाली रैली की रिकॉर्ड तोड़ रही है। हमारी बहनें और बेटियां बड़ी संख्या में आ रही हैं। पूरा मंडप बहनों बेटियों के नारों से गूंज उठा है। मेरा बूथ सबसे मजबूत के संकल्प के साथ काम कर रही है।

एनडीए की भारी जीत होगी, कोई संदेह नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार में एनडीए की भारी जीत पर मुझे कोई संदेह नहीं है। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में वोटिंग करने का आग्रह किया। मैंने पहले चरण के मतदान से पहले आप सभी बहनों से आपकी मेहनत और आपके अनुभवों के बारे में बात करने की योजना बनाई थी। मैं उन्हें समझने की कोशिश करूंगा। मैं उन्हें अनुभव करने की कोशिश करूंगा।

जुलूस निकालकर लोगों को वोट देने ले जाइए

पीएम मोदी ने महिला कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की महिलाओं ने इस चुनाव को उत्सव में बदल दिया है। बिहार में एनडीए की जीत तय है, बहुत भारी जीत होगी। एनडीए के कामों ने गरीब, दलित, पिछड़े, महादलित सबके जीवन में बदलाव लाया है। मोदी ने महिला कार्यकर्ताओं से कहा कि अब वक्त है हर घर तक पहुंचने का। बूथ ही जीत की नींव है। जुलूस निकालिए, लोगों को मतदान केंद्र तक लेकर जाइए।

शाह का राहुल-तेजस्वी पर तंज

घुसपैठियों को बचाने यात्रा निकालते रहे

दरभंगा में एनडीए के लिए चुनावी प्रचार करने पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने वोट अधिकार यात्रा पर हमला बोलते हुए कहा कि यह घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली गई यात्रा थी। उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस पर छठी मैया के अपमान का भी आरोप लगाया ये कितनी भी यात्रा निकाल लें, लेकिन हम देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकालने का काम करेंगे।

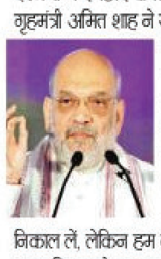

160 से ज्यादा सीटें जीतकर एनडीए बनाएगी सरकार

शाह ने दावा किया है कि इस बार बिहार में एनडी की जीत तय है और गठबंधन 160 से ज्यादा सीटें हासिल कर सत्ता में वापसी करेगा। अमित शाह ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार ही होंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व करते रहेंगे। हम 160 से ज्यादा सीटें जीतेंगे और बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के खिलाफ एफआईआर

चुनाव आयोग ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ललन के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। सिंह ने एक नेता को वोटिंग के दिन घर में पैक कर देने की बात कही थी। इसी पर एक्शन लिया है।

रैली में गरजे राहुल

मोदी सरकार पूंजीपतियों की, किसानों की नहीं

प्रचार अभियान के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। औरंगाबाद जिले के कुटुंबा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान राहुल ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीब किसानों की जमीन छीनकर उद्योगपति गौतम अडाणी को सौंप दी। राहुल के इस बयान से बिहार में चुनावी माहौल और भी गर्म हो गया है। राहुल ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश कुमार की सरकार ही नहीं है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के हाथ में नीतीश कुमार का रिमोट कंट्रोल है। नीतीश कुमार की सरकार अब बिहार में कभी नहीं बन सकती। ये लोग वोट चोरी की कोशिश करेंगे आपको सतर्क रहना है, मतदान केंद्रों पर ध्यान से रहना है। ये फिर से वोट चोरी करने की कोशिश करेंगे और हमारे कार्यकर्ता और बिहार की जनता इन्हें रोकेगी।

महागठबंधन पर बरसे राजनाथ

नौकरी के वादे पर पूछा धन कहां से आएगा?

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन कायम हुआ है और इतने वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी मामला नहीं है। वैशाली में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने एनडीए के पक्ष में मतदान की अपील की और कहा कि राजग सरकार ने बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अब पांचवे स्थान पर पहुंच गया है और जल्द तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। इंडिया गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि वे हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा कर रहे हैं, लेकिन यह नहीं बता पा रहे कि इसके लिए धन कहां से आएगा।

राजद का क्या मतलब है जंगलराज...: नड्डा

मधुबन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 'जंगलराज' वाले नए-नए चोले पहनकर और नए-नए लुभावने वादे करके लोगों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनका अतीत वही है, और आज भी वे 'गुंडाराज' और 'जंगलराज' के समर्थक हैं। राजद का क्या मतलब है? आर का मतलब 'रंगदारी', जे का मतलब 'जंगलराज' और डी का मतलब 'दादागिरी'। सिवान की जनता एनडीए के साथ है।

हमें राज्य के सभी लादेन को खत्म करना होगा: सरमा

असम सीएम और भाजपा के स्टार प्रचारक हिमंत बिस्व सरमा ने भी सीवान में गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में रघुनाथपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कुछ ऐसा कह दिया, जिस पर हंगामा हो सकता है। दरअसल हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य में जितने भी ओसामा बिन लादेन हैं, उन सभी को खत्म करना होगा। असम सीएम ने अपने इस बयान से राजद प्रत्याशी और बाहुबली शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब पर निशाना साधा।

तेजस्वी को बताया 'झुनझुना' देने वाला

तेजस्वी यादव ने संविदा कर्मचारियों को स्थायी करने, जीविका दीदियों को 30,000 वेतन देने, महिलाओं के बैंक खाते में 25,000 देने का वादा किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने आरजेडी और तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि ये सिर्फ जनता को भरमाने के लिए झुनझुना दे रहे हैं।

चौहान का पटना में रोड शो

महागठबंधन के आधे लोग जेल में और आधे बेल पर

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पटना में रोड शो किया। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके साथ नारे लगाए और समर्थन जताया। इससे पहले मीडिया से बात करते हुए चौहान ने राजद और महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये महागठबंधन नहीं महाठगबंधन है। इनके आधे लोग जेल में और आधे लोग बेल पर हैं।

गिरिराज का पलटवार

राहुल की शादी होगी तो जरूर आएंगे हम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि मोदी जी बिहार में ऐसे घूम रहे हैं, जैसे उनके बेटे की शादी हो।इस पर ही गिरिराज सिंह ने अब पलटवार किया है। उन्होंने खरगे के भाषण की वीडियो क्लिप को साझा करते हुए लिखा, "खड़गे जी, कांग्रेस के युवराज की भी अगर कभी शादी होती है तो उसमे जरूर आएंगे।

नीतीश कुमार का महिलाओं को फिर से बड़ा तोहफा!

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना को लेकर सीएम नीतीश ने अफवाहों पर विराम लगाते हुए ये कहा है कि किसी भी महिला को पैसे लौटाने की जरूरत नहीं है। बिहार की महिलाओं को 10-10,000 रोजगार के लिए दिए जा रहे हैं। इसे लौटाने की अफवाह फैलाई जा रही है तो सीएम ने अफवाहों का खंडन किया है और यह कहा है कि रकम महिलाओं को वापस लौटाने की जरूरत नहीं है। नीतीश ने विपक्ष के नेताओं पर खूब बरसे और बिहार की महिलाओं को अफवाहों से सावधान रहने के लिए कहा।

योगी के टप्पू, पप्पू और अप्पू वाले बयान पर तेजस्वी यादव ने किया बड़ा हमला

योगी आदित्यनाथ के टप्पू, पप्पू और अप्पू वाले बयान पर तेजस्वी यादव ने करारा हमला किया है। तेजस्वी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने सीएम बनते ही अपने ऊपर से गंभीर से गंभीर मुकदमे को हटवा लिया। तेजस्वी से कहा गया कि आपको टप्पू बताया है, राहुल गांधी को पप्पू और अखिलेश यादव को सीएम योगी अप्पू बता रहे हैं। अखिलेश यादव प्रधानमंत्री को गप्पू बता रहे हैं। तेजस्वी ने कहा कि हम सब लोगों को भाषा का ख्याल रखना चाहिए। इस तरह की बातें अगर कोई सीएम और पीएम करे तो आप समझ सकते हैं कि उनकी सोच क्या है?

सरकार बनी तो महिलाओं के खाते में जाएंगे 30 हजार

तेजस्वी ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घोषणा की कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो 14 जनवरी यानी मकर संक्रांति के दिन राज्य की सभी पात्र महिलाओं के खाते में एक साल का 30 हजार एक साथ भेजा जाएगा। यह रकम 'माई-बहिन योजना' के तहत दी जाएगी।

ओपिनियन पोल में एनडीए को मिलेंगी 153 से ज्यादा सीटें

पहले चरण का चुनाव प्रचार खत्म होने से ठीक पहले एक लेटेस्ट ओपिनियन पोल सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि राज्य में एक बार फिर एनडीए की सरकार बन सकती है, जबकि भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आ सकती है। ये सर्वे आईएएनएस-मैटराइज द्वारा किया गया है। एनडीए गठबंधन को 153-164 सीटें मिल सकती हैं। इसके अलावा विपक्षी दलों के महागठबंधन को 76-87 सीटें मिलने का अनुमान है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202510031100036

विषयः- अ-2

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः- 2025-2026

कछार प.ह.न. 00021 [251/22/ख/2(0.1800 हे0)]

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार कृष्ण कुमार पिता जोगी राम,

अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम कछार प.ह.न. 21, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार पिता जोगी राम जाति अग्रवाल निवासी ग्राम पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कछार प.ह.न. 21,, रा.नि.मं. लुडेग, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 251/22/ख/2 रकबा 0.1800 है० भूमि को औ ?द्योगिक प्रयोजनार्थ (राईस मिल एवं गोदाम निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 12.11.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/10/2025 को जारी किया जाता

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पत्थलगांव जिला जशपुर

शपथ पत्र

मैं, यासर अरफात आ० नकिबुद्दीन आयु 18 वर्ष, निवासी अयान मार्ग, अम्बिकापुर तह० अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० का निम्नलिखित शपथ पूर्वक कथन करता हूं

मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे कक्षा 10 वी के अंकसूची (मार्कशीट) में मेरे पिता का नाम (NAQUEEBUDDIN) दर्ज है, एवं मेर कक्षा 12 वीं के अंकसूची में मेरे पिता का नाम (NAKIBUDDIN) दर्ज है।

मैं, शपथपूर्वक कथन करता हूं. मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में मेरे पिता का नाम (NAKIBUDDIN) दर्ज है, केवल मेरे 10 वीं के अंकसूची में मेरे पिता का नाम त्रुटिवश (NAQUEEBUDDIN) दर्ज हो गया है, जिसे विलोपित कर (NAKIBUDDIN) दर्ज किया जाना उचित एवं आवश्यक है, जिसके समर्थन में स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथग्रहिता

तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर छ0ग0

रा.प्र.क्र./इ-121/25-26

जनता ग्रामवासी ग्राम पटना को सूचित किया जाता है, कि श्री सुखल दास आ. श्री साझु दास जाति-पनिका निवासी ग्राम पटना थाना रामानुजनगर तहसील रामानुजनगर जिला-सूरजपुर द्वारा अपने भाई आगर दास आ. साझु दास का मृत्यु दिनांक 07/10/2007 के होने से अपने भाई आगर दास आ. साझु दास का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिस किसी आम जनता/ग्रामवासीयों को आपति/आक्षेप हो वह अपना आपत्ति दिनांक 28/10/2025 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात कोई विचार नही किया जावेगी। आज दिनांक 14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी रामानुजनगर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

2026 तक लॉन्च हो सकता है सिरी एआई

न्यूयॉर्क। एपल के सीईओ टिम कुक ने कहा है कि 2026 तक यूजर्स के लिए सिरी एआई लॉन्च कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नया और अपडेटेड सिरी वर्जन अगले साल रिलीज होगा, लेकिन उन्होंने इसकी निश्चित समयसीमा की पुष्टि नहीं की। एपल ने आईफोन और अन्य डिवाइसेज में चैटजीपीटी इस्तेमाल करने के लिए ओपनएआई के साथ करार किया था। कुक ने कहा कि कंपनी का इरादा और ज्यादा लोगों के साथ एकीकरण करने का है।

नेपाल में हिमस्खलन से नौ पर्वतारोहियों की मौत

काठमांडू। नेपाल में हिमस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में दो नेपाली गाइड सहित कम से कम नौ पर्वतारोहियों की मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान कुमार महतो ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे गौरीशंकर ग्राम पालिका के अंतर्गत माउंट यालुंग री (6,920 मीटर) के निकट चोटी पर चढ़ने का प्रयास करते समय हुए हिमस्खलन में सात पर्वतारोही दफन हो गए। उन्होंने बताया कि सात पर्वतारोहियों के शव निकालने के लिए संयुक्त बचाव अभियान चलाया गया है।

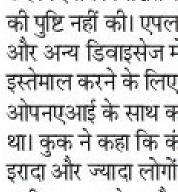

भारत और इजराइल के बीच बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर बोले

गाजा शांति योजना का समर्थन, आतंकवाद पर 'जीरो टॉलरेंस', दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्ता

हरिभूमि ब्यूरो ⏭नई दिल्ली

जयशंकर ने कहा भारत ने रेल, सड़क, बंदरगाह, स्वास्थ्य और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में नई क्षमताएं विकसित की हैं। हम इजराइल के साथ इन क्षेत्रों में साझेदारी को और गहराई देना चाहते हैं

- दोनों देश टेक्नोलॉजी, साइबर और एआई में सहयोग करेंगे
- 'एआई इंपैक्ट समिट' में इजराइल की भागीदारी का स्वागत

भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों ने आतंकवाद, नवाचार, कृषि और वैश्विक शांति जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की। जयशंकर ने कहा भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी का असली अर्थ है- भरोसा, सहयोग और साझा मूल्यों पर आधारित रिश्ता। हमने कठिन समय में एक-दूसरे का साथ दिया है। दोनों देशों के सामने आतंकवाद की समान चुनौती है, इसलिए यह जरूरी है कि दुनिया आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' का दृष्टिकोण अपनाए।

जयशंकर ने गाजा क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत 'गाजा पीस प्लान' का समर्थन करता है और उम्मीद करता है कि यह एक स्थाई शांति समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने बंधकों की रिहाई और मृतकों के पार्थिव अवशेषों की वापसी का स्वागत भी किया। जयशंकर ने कहा कि भारत और इजराइल के बीच सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा में सहयोग का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने बताया कि भारत अगले साल फरवरी में 'एआई इंपैक्ट समिट' की मेजबानी करेगा और इसमें इजराइल की भागीदारी का स्वागत करेगा।

नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार मुलाकात करते हुए

श्रमिकों के कल्याण पर होगी चर्चा

जयशंकर ने कहा कि भारत के श्रमिक अब बड़ी संख्या में इजराइल में काम कर रहे हैं और उनके कल्याण से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में दोनों देशों को मिलकर कदम बढ़ाने चाहिए। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक परिस्थितियों पर भी विचार-विमर्श किया। जयशंकर ने कहा कि बहुपक्षीय मंचों पर भारत और इजराइल की साझेदारी बहुत मूल्यवान है।

पहलगाम हमले की निंदा की

इजराइल के विदेश मंत्री गिडोन सार ने कहा कि कट्टरपंथी आतंकवाद भारत और इजराइल दोनों के लिए साझा खतरा है। उन्होंने पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। सार ने कहा कि इजराइल को लंबे समय से ऐसे आतंकवादी संगठनों से खतरा है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में आतंक के ठिकाने बना लिए हैं।

शांति के लिए जरूरी है हमास का सफाया

सार ने कहा हमास (गाजा), हिजबुल्लाह (लेबनान) और हौती (यमन) जैसे कट्टर आतंकवादी संगठन हमारे क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती हैं। इन्हें खत्म करना बेहद जरूरी है। हमास को निरस्त्र करना और गाजा को सैन्य रूप से मुक्त करना राष्ट्रपति ट्रंप की योजना का मुख्य हिस्सा है और इस पर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। सार ने कहा कि इजराइल भारत के साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के पक्ष में है।

निवेश और नवाचार पर जोर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच हाल ही में हुआ द्विपक्षीय निवेश समझौता एक अहम कदम है। कृषि, अर्थव्यवस्था, पर्यटन और वित्त से जुड़े इजराइली मंत्री पहले ही भारत का दौरा कर चुके हैं। जयशंकर ने कहा भारत ने रेल, सड़क, बंदरगाह, स्वास्थ्य और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में नई क्षमताएं विकसित की हैं।

पीएम मोदी के प्रति जताया आभार

इजराइली विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा हम पीएम नरेंद्र मोदी की मजबूत एकजुटता की सराहना करते हैं। हम याद रखते हैं कि 7 अक्तूबर को हमास के हमले के बाद पीएम मोदी पहले विश्व नेता थे जिन्होंने पीएम नेतन्याहू को फोन किया था। हम इसे कभी नहीं भूलेंगे।

भाजपा किसान मोर्चा ने डीएम को सौंपा ज्ञापनः किसानों को फसलों के नुकसान का मुआवजा देने की मांग

बस्ती / सोमवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने पदाधिकारियों, कार्यकताओं के साथ जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि किसानों को नुकसान का मुआवजा दिलाया जाय। डीएम को ज्ञापन देने के बाद दिलीप पाण्डेय ने कहा कि जनपद में कई दिनों से हुई वर्षा के कारण अधिकांश किसानों की धान की फसलें पूर्णतः नष्ट हो चुकी हैं। खेतों में जलभराव के कारण फसल की पुनःरोपाई या सुधार की कोई संभावना नहीं रह गई है। यह परिस्थिति किसानों के जीवन यापन पर गहरा संकट उत्पन्न कर रही है। जनपद के किसानों की मेहनत और पूंजी दोनों पूरी तरह डूब गई हैं। ऐसी स्थिति में शासन की मंशा किसान की आय दोगुनी करने की भावना तभी सार्थक सिद्ध होगी, जब प्रशासन संवेदनशीलता एवं तत्परता दिखाते हुए वास्तविक नुकसान का सर्वेक्षण कर किसानों को शीघ्र मुआवजा प्रदान करे। डीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि संबंधित राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निर्देशित किया जाए कि वे फसलों के नुकसान का स्थलीय निरीक्षण कर सटीक रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए। किसानों की कठिनाइयाँ अब असहनीय स्थिति में हैं, इसलिए इस विषय में कठोर, त्वरित एवं पारदर्शी कार्यवाही अति आवश्यक है।

अपनी कामयाबी को ऐसे रखिए कायम

कामयाब होना तो कठिन है ही, अपनी कामयाबी को संभाले रखना, इसे नई ऊंचाई देना और भी कठिन काम है। कामयाबी पर हम कैसे टिके रहें, नए-नए सोपान तय करें, इसके लिए प्रोफेशनल फ्रंट पर हम किन विशेष बातों को ध्यान में रखें, इसके लिए अपनी सोच कैसी रखें, आपके लिए बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

कामयाबी ऐसे ही किसी को आसानी से नहीं मिल जाती। इसे पाने की यात्रा का संघर्ष बहुत मुश्किल होता है। इससे कहीं ज्यादा कठिन होता है, हासिल की गई कामयाबी को बनाए रखना, मेहनत के साथ मिली कामयाबी पर टिके रहना, प्रोफेशनल फ्रंट पर खुद को निरंतर संवारते रहना, साथ ही व्यक्तिगत फ्रंट पर सहज बने रहना। असल में सफलता को पाना और सफल होने पर इसे संभालना, दोनों ही बहुत मुश्किल काम हैं। अपनी कामयाबी को अहंकार और असहयोगी रवैये के कारण खो देने वाले लोगों के उदाहरण हर फील्ड में मिल जाएंगे। बहुत से चर्चित और सफल लोग, लंबे संघर्ष के बाद पाई कामयाबी को छोटी-छोटी गलतियों के चलते गंवा देते हैं। उनसे सबक लेना और समय रहते संभलना भी एक स्किल ही है। ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी सजगता और सहजता से जीवन जीते हुए किन बातों का ध्यान रखकर अपनी कामयाबी को कायम रखें, जानिए-

ग्रेटिट्यूड का भाव

ग्रेटिट्यूड यानी कृतज्ञता का भाव सफलता को और सार्थक, और टिकाऊ बनाता है। इसीलिए अपनी कामयाबी का उत्सव मनाते हुए इस यात्रा में सहयोगी रहे लोगों को कभी न भूलें। जब भी, जैसे रूप में भी संभव हो, उन लोगों को जैसे माता-पिता, मित्र, शिक्षक या सहकर्मी को धन्यवाद कहें। इनके प्रति आभार जताना कभी न भूलें। आमतौर पर सफलता पाने के बाद लोग आत्मकेंद्रित हो जाते हैं, जबकि जीवन को तो सांप-सीढ़ी के खेल जैसा माना जाता है, कभी ऊंचाइयों का दौर, तो कभी नाकामयाबी का समय। परिस्थितियां बदलती रहती हैं। ऐसे में अपने अच्छे वक्त में भी दूसरों के साथ अच्छे बने रहें, सकारात्मक बर्ताव करें। कम से कम, किसी को कमतर ... समझने की गलती तो बिल्कुल भी न करें।

सहयोगी सोच है जरूरी

सफलता पाने के बाद भी अच्छे आचरण की अहमियत खत्म नहीं हो जाती। सच तो यह है कि अपनी सफलता को बनाए रखने के लिए अपने व्यवहार में सकारात्मकता और सहयोगी भाव और जरूरी हो जाते हैं। इसीलिए अपने आत्मविश्वास को अति-आत्मविश्वास में कभी न बदलने दें। दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने का ट्रेंड हमेशा रहा है और रहेगा। सफल होने ... का मतलब अपनी कमजोरियों को भूल जाना नहीं होता, न ही दूसरों की काबिलियत की अनदेखी करने से आपकी कामयाबी कुछ विशेष हो जाती है। कोशिश कीजिए, आप संघर्ष कर रहे किसी अपने-पराए के मददगार बनें। आगे बढ़ने, बेहतर बनने में किसी का मार्गदर्शन करें। ऐसा करने से आप खुद भी कुछ नया सीखेंगी। कभी-कभी साझा लक्ष्य पर काम करने की यह रणनीति आपको और नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। किसी को दिया जा रहा सहयोग, आपके किसी समाधान का मार्ग भी निकाल सकता है। देखा जाए तो प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए अपने ही परिवेश को कुछ लौटाने जैसा है। इसीलिए कहा जाता है, सहयोग से पूरे समाज की उन्नति होती है। सहयोगी व्यवहार से न केवल जुड़ाव और अपनापन बढ़ता है, बल्कि प्रोफेशनल संसार के संबंधों को मजबूती भी मिलती है।

आत्म-जागरूकता और सहजता जरूरी

किसी क्षेत्र विशेष में सफल होने का अर्थ यह नहीं कि आप अपने आप में पूर्ण या संपूर्ण हो गई हैं। साथ ही यह भी नहीं सोचना चाहिए कि अब सारी परीक्षाएं खत्म हो गई हैं। जिंदगी

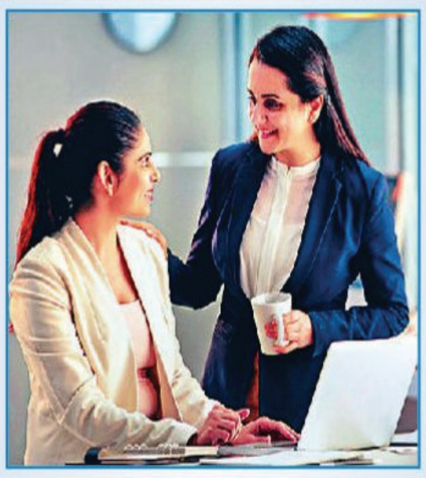

समय-समय पर इम्तिहान लेती रहती है। किसी न किसी रूप में उलझनें सामने आती रहती हैं। इस पड़ाव पर आत्म-जागरूकता और सहजता आवश्यक है। अहंकार से दूरी रखना जरूरी है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि अहंकार सफलता का एक स्वाभाविक परिणाम नहीं है। कामयाबी के गुरूर से इंसान का बदलता व्यवहार ही ईगो की ओर धकेलता है। वहीं, सफलता के दौर में सहज और विनम्र रहने वाले इंसान का मन सदा ग्रेटिट्यूड के भाव से भरा रहता है।

बुरी आदतों से बचें

कामयाबी के दौर में बुरी आदतों के घेरे में आकर खुद को खो देने वाले लोगों के बहुत से उदाहरण मिलते हैं। इसीलिए सफलता को कोई सनक न बनाएं। खुद को खास दिखाने के लिए अजब-गजब आदतों के जाल में न फंसें, प्रोक्रास्टिनेशन यानी अपने काम को टालते रहना हो या दिनचर्या बिगाड़ लेना, किसी तरह की लत का शिकार होना हो या अपने आपको दिखावे की लाइफस्टाइल में उलझा लेना, ऐसी हर बात से बचिए, जो आपको दिशाहीन करती है। याद रखिए कि

... अपनी सफलता को जीना अलग बात है और उसका सिर चढ़ जाना अलग। इस अंतर को समझते हुए खुद को संवारते रहना ही कामयाबी को टिकाऊ बनाता है। संघर्ष का समय बीतने के बाद भी सफलता पाने वाले लोग अनुशासित जीवन जीते हैं और आत्म-निरीक्षण को प्राथमिकता देते हैं।

घर की तमाम जिम्मेदारियों को निभाते हुए हाउस वाइव्स का खुद के लिए यानी मी टाइम निकालना जरूरी है। इससे वे अपने को रिचार्ज महसूस करेंगी, उन्हें कभी स्ट्रेस नहीं होगा। लेकिन मी टाइम के लिए वर्क मैनेजमेंट का हुनर जरूरी है।

बिजी लाइफ में भी खुद के लिए निकालें मी टाइम

एडवाइस

शीला श्रीवास्तव

हाउस वाइव्स की अकसर यह शिकायत रहती है कि वे खुद के लिए समय ही नहीं निकाल पातीं। वाकई रुटीन मैनेजमेंट उनके लिए एक चैलेंज की तरह होता है। उन्हें बच्चों के स्कूल, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लासेस, हसबैंड के ऑफिस और घर के बड़े-बुजुर्गों की देखभाल के बीच अपने लिए समय नहीं मिल पाता। अपने लिए समय निकालना कितना जरूरी है, इस पर वे कुछ सोचती नहीं हैं। लेकिन अपने लिए समय ना निकालने की वजह से हाउस वाइव्स स्ट्रेस में आ जाती हैं। नतीजतन उन्हें छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है, जो आगे चलकर शारीरिक और मानसिक रोगों का कारण बनता है। सवाल यह है कि हाउस वाइव्स खुद के लिए मी टाइम कैसे निकालें-

जरूरी है मी टाइम: तमाम जिम्मेदारियों के बीच खुद के लिए समय निकालना 'मी टाइम' है। स्ट्रेस फ्री रहने के लिए यह बहुत जरूरी है। मी टाइम ब्रेन को रिचार्ज करता है। भले ही मी टाइम एक घंटे का हो, लेकिन होना जरूर चाहिए। इस समय आप बस अपने लिए जिएं, खुद को खुशी देने वाले काम करें। एक बार मी टाइम पर फोकस करके देखिए, आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगी। इतना ही नहीं, आप जीवन के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से सोच सकेंगी। खुद को बेहतर समझ पाएंगी और अपनी कमजोरियों और खूबियों पर मंथन कर सकेंगी। साथ ही आप अपने रिश्ते को और बेहतर बनाने पर विचार कर पाएंगी।

पा सकती हैं खोई हुई एनर्जी: मी टाइम से आप अपनी खोई हुई एनर्जी वापस पा सकतीं हैं। मी टाइम निकालने ... के लिए सबसे जरूरी है कि पहले वर्क मैनेजमेंट करें, क्योंकि आप अपने घर के कार्यों को व्यवस्थित कर पाएंगी तो आपके लिए मी टाइम निकालना आसान हो जाएगा। वर्क मैनेजमेंट सही करने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना होगा।

खुद को दें प्रॉयोरिटी: आपके परिवार में किसी को भी कोई जरूरत हो तो वह आपके पास आते हैं। ऐसे में गृहिणियों के लिए तनाव रहित रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि अगर आपका स्वभाव चिड़चिड़ा होगा तो आप चाहकर भी किसी की पूरे मन से मदद नहीं कर पाएंगी। इसलिए खुद को प्रॉयोरिटी दें। अपनी पसंद की चीजों पर ध्यान दें। खुद के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। खुद के पसंद की म्यूजिक सुनें, डांस करें या फिर खुद के पसंद के अन्य काम करें।

अपना टाइम टेबल बनाएं

मी टाइम निकालने के लिए सबसे पहले आप अपने घर के कार्यों का समय तय करें। इसके लिए जरूरी है कि आप टाइम टेबल बनाएं और हर काम का समय तय करें। टाइम टेबल के हिसाब से किया गया काम हमेशा समय से होता है, इससे आप आसानी से समय निकाल कर अपनी रुचि के काम कर सकती हैं।

लाइफस्टाइल में बदलाव: सुबह उठने की आदत डालनी होगी। अगर आप देरी से उठेंगी तो घर का काम भी देरी से शुरू होगा और आपका सारा दिन झुंझलाहट में बीतेगा। खुद के लिए वक्त निकालना मुश्किल होगा।

सोशल मीडिया पर ज्यादा बिजी न रहें: अकसर देखा गया है कि महिलाएं सुबह से ही सोशल मीडिया पर कमेंट और लाइक्स देखने और उसका जबाव देने में बिजी हो जाती हैं, जिससे उन्हें समय का पता ही नहीं चलता। सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के लिए आप एक समय तय करें, ताकि आप काम के स्ट्रेस से भी दूर रहें और मी टाइम निकाल सकें।

घर के लोगों से लें मदद: महिलाओं की यह आदत होती है कि हर काम अकेले ही करना चाहती हैं, जो ठीक ... नहीं है। घर के अन्य सदस्यों से थोड़ी-थोड़ी मदद लें। बच्चों से आप उनका कमरा ठीक करने, अलमारी और किताबें ठीक करने के लिए कहें। इससे वे खुद भी व्यवस्थित व अनुशासित बनेंगे। इससे आप अकेली पर काम का सारा बोझ नहीं पड़ेगा।

स्पेशल : इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, 7 नवंबर

शिशु देखभाल की समझ बढ़ाने, बाल मृत्यु दर में कमी लाने और नवजात बच्चों की देखभाल से जुड़ी सर्विसेज के बारे में अवेयरनेस बढ़ाने के लिए हर साल 7 नवंबर को इंफेंट प्रोटेक्शन-डे मनाया जाता है। न्यू बॉर्न बेबी की देख-भाल के लिए किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जानिए।

न्यू बॉर्न बेबी सजगता से हो देख-भाल

लालन-पालन

चैतन्या

बच्चे के जन्म के बाद कुछ दिनों तक न केवल न्यू बॉर्न बेबी की विशेष देखभाल की जरूरत होती है बल्कि बहुत सी छोटी-छोटी बातों को लेकर सजगता बरतना भी जरूरी है। हमारे यहां नवजात यानी न्यू बॉर्न बेबीज की सुरक्षा के मामले में आज भी अवेयरनेस की कमी देखी जाती है। असल में नवजात बच्चों की मेडिकल केयर के साथ ही, अपनों की स्नेह भरी देख-भाल, स्वच्छता, स्तनपान और वैक्सीनेशन जैसी बातों को लेकर जागरुकता होनी जरूरी है।

किसे कहते हैं न्यू बॉर्न बेबी: आम बोलचाल की भाषा में कुछ घंटों, दिनों या एक महीने तक के बच्चे को न्यू बॉर्न बेबी यानी नवजात शिशु कहते हैं। वैसे जन्म से लेकर एक साल की उम्र नवजात अवस्था के तौर पर बच्चे की देखभाल के लिए अहम होती है। घर के बड़ों के लिए बच्चे के दुनिया में दस्तक देने के बाद का यह समय बहुत सजग रहने का होता है। इंफेंट केयर में जरा सी चूक शिशुओं को आगे के लिए भी कई परेशानियों का शिकार बना सकती है। खासकर पैरेंट्स को न्यू बॉर्न बेबी की सुरक्षा और विकास के बारे में अवेयर रहना चाहिए। ब्रेस्ट फीडिंग से लेकर वैक्सीनेशन और किसी तरह की जन्मजात तकलीफ का इलाज करवाने तक, ये शुरुआती दिन बेहद अहम होते हैं। इतना ही नहीं मौसमी बीमारियों और दूसरे इंफेक्शन से बचाने के लिए साफ-सफई का भी ध्यान रखना होता है। असल में ऐसी छोटी-छोटी गलतियों के चलते हमारे देश में आज भी इंफेंट मोरटैलिटी के आंकड़े चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे में इंफेंट प्रोटेक्शन-डे हर मामले में शिशुओं की बेहतर ढंग से केयर करने से जुड़ी सतर्कता लाने का संदेश देने वाला दिन है।

स्तनपान और स्वच्छता: मां के दूध को तो नवजात का पहला टीका कहा जाता है। शिशु के स्वास्थ्य के लिए अमृत माना जाता है। ऐसे में जन्म के बाद बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग करवाना बहुत जरूरी है। इसके लिए माताओं में भी सजगता होना जरूरी है। साथ ही ब्रेस्ट फीडिंग शुरू करने में देरी हो जाए तो नवजात शिशु भी मां का दूध पीने में सहज नहीं रहता। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक सही समय पर बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू कर दिया जाए तो यह न्यू बॉर्न बेबी की सेहत के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है।

संक्रमित होने से बचाएं: इंफेंट प्रोटेक्शन-डे, लोगों को साफ-सफाई रखने के लिए भी चेताता है। जन्म के बाद के शुरुआती दिनों में नवजात बच्चों को कई तरह के इंफेक्शन हो सकते हैं। इनकी एक बड़ी वजह स्वच्छता न रखना भी है। हमारे यहां बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं का जीवन डिलिवरी के दौरान या जन्म के बाद पहले चौबीस घंटों के भीतर छिन जाता है। इंफेंट मोरटैलिटी के कई कारण हैं। इन जानलेवा वजहों में जन्म के बाद संक्रमित होना भी शामिल है।

वैक्सीनेशन और पोषण: बच्चे के जन्म के बाद टीके लगवाने में तो कोई देरी नहीं होनी चाहिए। शिशु को नियमित डॉक्टर को दिखाने, उसके

वजन का ध्यान रखने और चिकित्सक की सलाह के मुताबिक समय-समय पर लगने वाले वैक्सीन लगवाने की प्रक्रिया फॉलो करना जरूरी है। साथ ही सही पोषण का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। हमें अपने नवजात बच्चे की सुरक्षा को लेकर ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत होती है।

मेकअप

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

फॉलो करें प्रॉपर मेकअप स्टेप्स मिलेगा इंप्रेसिव-परफेक्ट लुक

अगर आप प्रोफेशनल हैं तो मेकअप सही ढंग से अप्लाई करना जरूरी होता है। लेकिन मेकअप शुरू करने से पहले आपको इसके बेसिक्स की जानकारी होनी चाहिए ताकि आप अट्रैक्टिव, इंप्रेसिव दिखें।

क्लींजर: मेकअप करने से पहले क्लींजर की मदद से चेहरे को साफ कर लें। आप कॉटन में टोनर लगाकर भी चेहरे को अच्छी तरह साफ कर सकती हैं। इसके बाद ही फेस स्क्रब का यूज करें क्योंकि इससे आपकी स्किन सुंदर और आप अट्रैक्टिव दिखेंगी।

मॉयश्चराइजर: स्किन को क्लीन करने के बाद मॉयश्चराइज करें। इसके बाद आप प्राइमर लगाएं ताकि मेकअप देर तक टिका रहे।

आंखों को करें हाइड्रेटेड: आंखों के आस-पास की स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए आई सीरम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। सामान्यतः हाईड्रेटिंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए और अगर आपकी स्किन ऑयली है तो तेल की अधिक मात्रा को नियंत्रित करने के लिए मैटीफाइंग मॉयश्चराइजर का उपयोग कीजिए। अगर आपकी त्वचा पर दाग, धब्बे, मुंहासे हैं या आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो इन्हें कवर करने के लिए कंसीलर कलर करेक्टर का उपयोग करें ताकि त्वचा का रंग नेचुरल दिखे।

लिप्स के लिए: अगर आपकी लिपस्टिक कुछ ही समय बाद होंठों से गायब हो जाती है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके लिए कॉम्पैक्ट पावडर का इस्तेमाल करें, जो लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रखेगा। लिपस्टिक लगाने के बाद उस पर टिश्यू पेपर लगाएं। अब, अपने होंठों पर टिश्यू पेपर के ऊपर कुछ लूज कॉम्पैक्ट पावडर या एक लूज सेटिंग पावडर लगाएं। ऐसा करने से आपकी लिपस्टिक पहले की तरह सेट हो जाएगी।

रिमूव एक्सट्रा ऑयल: अगर आपकी स्किन पर एक्सट्रा ऑयल दिखता है तो ब्लॉटिंग पेपर का यूज कर सकती हैं। इसके यूज से स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल को हटाया या कम किया जा सकता है।

फाउंडेशन: अपनी स्किन टोन के हिसाब से फाउंडेशन का यूज करें। फाउंडेशन को अपनी गर्दन पर लगाना न भूलें।

ब्लश का यूज: ब्लश का यूज अपनी जरूरत के अनुसार करें क्योंकि इसका ज्यादा उपयोग अननेचुरल दिखेगा। इसे अपने गालों को उभारने के लिए ही उपयोग कीजिए। ज्यादातर स्किन पर हल्का पिंक ब्लश सूट करता है।

लिपस्टिक-लिप ग्लॉस: अगर आपको यह महसूस हो कि मैटीफाइंग लिपस्टिक से आपके लिप्स ड्राई हो रहे हैं तो किसी लिप बाम के बाद लिपस्टिक अप्लाई करें।

सेटिंग स्प्रे: अपने मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सेटिंग स्प्रे का यूज कीजिए। लेकिन आंखों को बंद रखें और होंठों को भी कवर रखें।

मेडिकल सजेशन

डॉ. भारती कालरा

सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट

करनाल-हरियाणा

अपने जरूरी पर्सनल वर्क के लिए कई महिलाएं पीरियड्स को डिले करने के लिए मेडिसिन ले लेती हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है। लापरवाही हार्मफुल हो सकती है।

डॉक्टर से कंसल्टेशन पर ही लें पीरियड्स-डिले मेडिसिन

पीरियड्स एक नेचुरल फिजिकल साइकिल है, जिससे टीनएज से 45-50 वर्ष की उम्र के बीच की हर महिला गुजरती है। लेकिन कई बार मैरिज, स्पेशल फंक्शन, सैर-सपाटे, स्टडी जैसे किसी विशेष अवसर पर कुछ महिलाएं पीरियड्स रोकने के लिए मेडिकल स्टोर में आसानी से उपलब्ध पीरियड्स डिले करने वाली हार्मोनल पिल्स ले लेती हैं। इन दवाओं के गलत डोज या साइड इफेक्ट्स की वजह से कई शारीरिक समस्याओं के साथ जीवन पर भी संकट मंडरा सकता है।

कैसे काम करती हैं ये दवाएं: मेडिकली देखें तो महिला के शरीर में प्रत्येक पीरियड साइकिल के दौरान प्रोजेस्ट्रॉन हार्मोन का लेवल प्राकृतिक रूप से कम हो जाता है, जिसकी वजह से यूट्रस की लाइनिंग गिरने लगती हैं और पीरियड्स शुरू हो जाते हैं। पीरियड्स-डिले पिल्स, मुख्य तौर पर दो तरह की हार्मोनल दवाइयां होती हैं, जिनमें या तो सिर्फ सिंथेटिक प्रोजेस्ट्रॉन होता है या फिर एस्ट्रोजन-प्रोजेस्ट्रॉन का मिश्रण होता है। इनके सेवन से महिला के शरीर में प्रोजेस्ट्रॉन लेवल कम नहीं हो पाता और पीरियड्स रुक जाते हैं यानी, ये दवाएं अस्थाई रूप से पीरियड साइकिल को रोककर पीरियड्स को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। साथ ही महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टम को रेगुलेट करने में मदद करती हैं।

क्या होते हैं साइड इफेक्ट्स: हालांकि ये दवाइयां सुरक्षित होती हैं, लेकिन संभावित साइड इफेक्ट से बचने के लिए इन्हें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर सही तरीके और सही डोज में ही लेनी चाहिए। इन्हें लेने पर कुछ सामान्य साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, सिर-दर्द होना, ब्रेस्ट में दर्द होना, पेट फूला-सा लगना, वजन बढ़ना, मितली-उल्टी की फीलिंग होना, पैर में दर्द, ब्लड प्रेशर बढ़ना आदि। कुछ मामलों में शरीर में हार्मोन और रक्त में मौजूद रसायनों का संतुलन गड़बड़ा जाता है। धमनियों में ब्लड क्लॉटिंग या डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने का खतरा रहता है। हार्मोनल दवाइयों के हाई डोज से ब्लड प्रेशर और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे हार्ट रेट गड़बड़ा सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

- हार्मोन पिल्स का सेवन बिना डॉक्टर के परामर्श के न करें।
- जब तक बहुत जरूरी न हो, इन गोलियों का इस्तेमाल न करें।
- एक सप्ताह पहले ही आजमा लें ताकि यदि कोई साइड इफेक्ट हो तो उससे निपटने के लिए समय मिल सके।
- मेडिकल हिस्ट्री और ब्लड टेस्ट जरूर करवाएं। पहले से मौजूद बीमारियों जैसे लिवर, ब्लड प्रेशर, डीवीटी, हार्मोनल असंतुलन में इन्हें बिल्कुल न लें।
- कभी-कभार और डॉक्टर की निगरानी में इनका सेवन सुरक्षित है। लेकिन बार-बार इस्तेमाल शरीर के हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है।

इन्हें होता है अधिक रिस्क: पीरियड्स-डिले करने वाली दवाओं का सेवन करने में ऐसी महिलाओं को पूरी एहतियात बरतनी चाहिए, जो पीसीओएस, माइग्रेन, स्ट्रोक, ब्लड प्रेशर, लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज आदि से जूझ रही हों।

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

राज्योत्सव में शिक्षा विभाग की प्रदर्शनी को मिला प्रथम पुरस्कार, नवाचार बना पहचान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर यहां जिला मुख्यालय स्थित अग्रसेन स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव 2025 में शिक्षा विभाग ने अपने नवाचारी और सृजनात्मक प्रदर्शन से सबका ध्यान आकर्षित किया। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा,डीएमसी मनोज कुमार साहू, सहायक संचालक शिक्षा रविंद्र सिंहदेव एवं जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मोहन साहू के नेतृत्व में विभागीय योजनाओं का जीवंत एवं सुव्यवस्थित प्रस्तुतीकरण किया गया। जिसके लिए शिक्षा विभाग के स्टॉल को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। स्टॉल में जिले के पीएम श्री विद्यालय योजना का भव्य प्रदर्शन किया गया, जिसमें समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उपलब्ध सभी सुविधाओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ के राज्यपाल पुरस्कृत प्रधानपाठक गौतम शर्मा द्वारा गणित की अवधारणाओं को सरल और मनोरंजक ढंग से समझाने पर आधारित जादुई पिटारा कार्यक्रम अंतर्गत अंक जमाओं ईनाम पाओ सहायक शिक्षण सामग्री ने मंत्री, सांसद, विधायक, अधिकारी,बच्चों और आम जनमानस को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिक्षा विभाग के इस स्टॉल का निरीक्षण महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक भूलन सिंह मरावी, छत्तीसगढ़ वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा सहित कई जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों, शिक्षकों और नागरिकों ने किया तथा विभाग की प्रस्तुति की प्रशंसा की। वहीं बालक स्कूल रामानुजनगर के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत जीवंत मॉडल को भी दर्शकों और अधिकारियों से खूब सराहना मिली। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि शिक्षा विभाग के इस प्रदर्शन में हमारे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत, रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता झलकती है। यह उपलब्धि पूरे विभाग के लिए गर्व का विषय है। इस सफलता में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी हरेन्द्र सिंह, एपीसी शोभनाथ चौबे, दिनेश द्विवेदी,सुरविंद गुर्जर, बीआरसी रामानुजनगर मनोज जायसवाल, जयराम प्रसाद, रवि नाथ तिवारी, सीमांचल त्रिपाठी ,गौतम शर्मा, गोपाल सिंह ,नंदकुमार सिंह, कृष्ण कुमार ध्रव, सहदेव राम रवि, बालेंद्र साहू ,राधेश्याम साहू, राम नंदे साहू, विकास पांडे, जितेंद्र साहू, बालेश्वर साहू ,धर्मेंद्र पाठक, दिलीप पटेल, जितेंद्र साहू, पंचम राम, गणेश राम, ईश्वर सिंह, नरेंद्र सिंह, सुदर्शन एवं संजय देवांगन सहित समस्त टीम का विशेष योगदान रहा। शिक्षा विभाग की यह उपलब्धि न केवल विभागीय समर्पण का प्रतीक बनी, बल्कि यह संदेश भी दिया कि शिक्षा में नवाचार ही उज्जवल भविष्य की कुंजी है।

आकर्षण का केंद्र बना पुलिस का जनजागरूकता स्टॉल

एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा जनजागरूकता हेतु राज्योत्सव में एक विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया। जिसमें सायबर सुरक्षा, नशा मुक्ति अभियान एवं यातायात नियम तथा अन्य विषयों से संबंधित जानकारी आम नागरिकों को दी गई। राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित अन्य अतिथियों ने पुलिस के जन जागरूकता स्टाल का भ्रमण किया। मंत्री ने सायबर सुरक्षा, नशा मुक्ति, यातायात नियमों, राहवीर योजना सहित अन्य ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी से संबंधित पोस्टर एवं जानकारी का अवलोकन किया तथा पुलिस के जन जागरूकता प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर कलेक्टर एस.जयवर्धन, डीएफओ पंकज कमल, सीईओ जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले सहित जनप्रतिनिधि व नागरिकगण उपस्थित रहे।

पुलिस के स्टाल में साइबर ठगी और सोशल मीडिया सुरक्षा के उपाए, नशा मुक्ति के लिए संगठित प्रयासों का ब्यौरा, सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी, नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों, सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद के लिए राहवीर योजना की जानकारी, यातायात नियमों की जानकारी एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित शॉट विडियों का प्रोजेक्टर और एलसीडी के माध्यम से प्रदर्शनी की गई।

वीरगाथा व दीपावली प्रोजेक्ट एवं सर्वाधिक उपस्थिति पर छात्रों का हुआ सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को शा.बा. उ. मा. वि. रामानुजनगर के माध्यमिक विभाग में वीरगाथा प्रोजेक्ट 5.0, दीपावली विशेष प्रोजेक्ट तथा सर्वाधिक उपस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार शिक्षक बिहारी लाल साहू के द्वारा स्वयं के खर्च से विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु संस्था के प्राचार्य पी. सी. सोनी के हाथों वितरित कराये गए। विदित हो कि नवाचारी शिक्षक बिहारी लाल साहू विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर विविध रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन करते रहते हैं। इस अवसर पर प्रथम पुरस्कार प्रहलाद सिंह 8वीं, द्वितीय नरेश कुमार 7वीं तथा तृतीय पुरस्कार अंश कुमार 8वीं को प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरूप विद्यार्थियों को कंपास बॉक्स, कलर पेन सेट एवं कॉपी भेंट की गई। बिहारी लाल साहू ने कहा कि इस आयोजन से विद्यार्थियों की उपस्थिति में काफ़ी सुधार होगा। कार्यक्रम के दौरान एक स्वागत समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें अपने मूल पदस्थ संस्थान में कार्यभार ग्रहण कर रहे शिक्षक योगेश साहू एवं पुष्पेन्द्र ठाकुर का परिचय एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने शपथ ली कि वे विद्यार्थियों के हित और उनके सर्वांगीण विकास हेतु सतत कार्य करते रहेंगे। प्राचार्य पी. सी. सोनी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेहनत सफलता की कुंजी है। आज से ही अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु जुट जाएं और अपने विद्यालय का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में शिक्षक बिहारी लाल साहू, प्रकाश कुमार एवं वर्षा सिंह का विशेष योगदान रहा।

कुदरगढ़ में बंदरों के लिए बजरंग भोज भंडारा बना आकर्षण का केंद्र

समाजसेवी संस्थान द्वारा प्रत्येक सप्ताह किया जाता है आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के सुप्रसिद्ध कुदरगढ़ धाम में एक ऐसा भी भंडारे का आयोजन किया जा रहा जो न केवल आकर्षक का केंद्र है बल्कि चर्चा का विषय भी है। बजरंग भोज के नाम से आयोजित यह भंडारा केवल बन्दरो के लिए है। तत्पर समाजसेवी संस्थान द्वारा प्रत्येक सप्ताह यह आयोजन किया जा रहा है।संस्था के आलोक उपाध्याय उर्फ भोले महाराज ने बताया कि आमतौर पर जंगलों के अंधाधुंध कटाई के कारण वन्य जीवों के लिये दाना पानी मुश्किल हो गया है।इसे ध्यान में रखते हुए वे कुदरगढ़ में वानर राजो के लिए केला, सेब ,खीरा,चना आदि की व्यवस्था की जा रही है। जिसे वे सामूहिक रूप से श्रद्धाभाव से ग्रहण करते हैं। यह दृश्य दर्शनीय होता है। वन्य प्राणियों के समक्ष आहार संकट एक गम्भीर चुनौती है। घटते वन और वन सम्पदाओं से वन्य जीवों के अस्तित्व के लिये भी खतरा उत्पन्न हो गया है। विकास के इस दौड़ में अत्याचार के प्रथम शिकार वन्य जीव हो रहे हैं,जिन्हें आहाराभाव में अपने वनों को छोड़कर मनुष्य निवास क्षेत्र में आने को विवश होना पड़ रहा है। इन्हीं चिन्ताओं के परिदृश्य में तत्पर सक्रिय है।

पांच सौ केला के पौधे रोपित

संस्था द्वारा इस वर्ष माता कुदरगढ़ी के पवित्र धाम में पाँच सौ केला के पौधा रोपण कार्य किया गया। जिससे आगामी वर्षों में जब वे तैयार हो जायें तो वन्य प्राणियों को कुछ आहार उपलब्ध हो सके। आनेवाली वर्षा ऋतु एक हजार एक सौ वृक्षारोपण की योजना है।इस वर्ष संस्था ने घरों से अनुपयोगी बीज जैसे आम, कटहल, चार,तेंदू जामुन अमरूद बैर इत्यादि घरों से इकट्ठा कर नजदीकी वनों में रोपे गए हैं।

भालू के हमले में महिला जखमी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। रामानुजनगर के महेशपुर में भालु के हमले से महिला जख्मी हो गई है।जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बुजुर्ग महिला आज सुबह घर से निकल कर बाहर जा रही थी। तभी भालु ने हमला कर दिया।बुजुर्ग महिला के सिर पर भालु ने हमला किया जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गई है।महिला को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रेमनगर में भर्ती किया गया है। वन परिक्षेत्र रामानुजनगर के महेशपुर गांव की यह घटना है।

एनएसयूआई की जिला बैठक में संगठन की मजबूती पर की गई चर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को यहां सर्किट हाउस में एनएसयूआई की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे संगठन विस्तार,आगामी कार्यक्रम की रूप-रेखा एवं सदस्यता अभियान तथा संगठन को मजबूत करने के लिए रणनीति तय की गई। बैठक में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू द्वारा आगामी कार्यक्रमों को लेकर रूप-रेखा बनाया गया। बैठक में बताया गया कि एनएसयूआई राजनीति की प्रारंभिक सीढ़ी है छात्र राजनीति के माध्यम से जुड़कर अपने उज्वल भविष्य के लिए काम करने का अच्छा संगठन है एनएसयूआई से जुड़कर ही कांग्रेस के प्रमुख पदों में जा सकते है साथ ही छात्रों का प्रतिनिधित्व किया जा सकता है बैठक में जिले भर से एनएसयूआई के कार्यकर्ता शामिल हुए इस दौरान युवा नेता हर्ष दनोदिया, क्षितिज चंदेल, सैयद नदीम, हरिनारायण साहू, मौसिम खान, संतोष साहू, गुप्ता, उमेश जायसवाल, अभय सोनवानी, देव सिंह, विनोद सिंह, रंजीत दुबे, अमित सिंह पैकरा, अरुण कुमार प्रजापति, नीरज पाण्डेय, मनरूप,

आकाश सिंह, शिवम सोनवानी, तनवीर अहमद, विनय दास महंत, अमन नायक, कुनाल यादव, चंदन गुप्ता, मनोज सिंह, दिलशाद अहमद, अतुल पाटिल, यश दास, पीयूष कुशवाहा, कौनेन अंसारी, मो. रिजवान, मणिशंकर पाण्डेय, यशवंत सिंह, आशीष सिंह, दीप सोनवानी, शिवम साहू, अंकुश दिलबरन सिंह, उत्तम सिंह, अनमोल, प्रांजल टांडे, अनुराग ठाकुर, हिमेश सिंह, सोनू देवांगन, विशाल सिंह, मो. शाहिद, अदनान सिद्दीकी, मुकेश राजवाड़े, विकाश राजवाड़े, संजय, विनय, अनिकेश, गोलू, राधेश्याम, कमलेश सिंह, सरफराज, रमजान हुसैन, शहनवाज, देव सिंह, आलोक बैरागी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिले में ठंड ने दी दस्तक, चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में बारिश थमते ही बदला मौसम का मिजाज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। लगातार एक सप्ताह की भारी बारिश और नमी भरे मौसम के बाद अब सूरजपुर जिले में ठंड की शुरुआत हो चुकी है। जैसे ही मोन्था चक्रवात का असर कम हुआ, आसमान साफ हुआ और मौसम ने करवट ले ली। तीन दिनों के भीतर न्यूनतम तापमान में करीब 8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार रात और मंगलवार, बुधवार सुबह तापमान गिरकर 12 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया। इस तेज़ गिरावट के बाद पूरे इलाके में सर्द हवाओं का असर महसूस होने लगा है। सुबह के समय हल्की धुंध छाने लगी है और वातावरण में नमी के साथ ठंडक बढ़ गई है। पहाड़ी और जंगल इलाकों में लोगों ने अलाव जलाकर ठिठुरन से राहत पाने की कोशिश शुरू कर दी है।

चांदनी, बिहारपुर, महुली, खोहीर रामगढ़ उमझर, रसौकी जूडवनीया बैजनपाठ लूल्ह तेलाईपाठ भून्डा कछवारी मोहरसोप और आसपास के गाँवों में सुबह-सुबह खेतों में सफेद धुंध की चादर बिछी दिखाई देने लगी है।

मजदूर वर्ग और किसान अब सुबह देर तक खेत नहीं पहुँच पा रहे। सुबह के समय हवा में गलन बढ़ने के कारण ग्रामीण अपने काम में विलंब कर रहे हैं। गांवों के चौपालों और घर अब में आगे जलाकर छोटे-छोटे ढेर दिखाई देने लगे हैं। बच्चे और बुजुर्ग गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। ठंड का असर बाजारों में भी दिखने लगा है।

धान की कटाई को मिली रफ्तार

लगातार हुई बारिश से धान की फसलें पानी में डूबी हुई थीं। कई निचले इलाकों के खेतों में पानी भर जाने से किसानों की चिंता बढ़ गई थी। अब जब चार दिन से मौसम साफ है, धूप निकल रही है और हवा चल रही है, तो धान की फसल सूखने लगी है और कटाई का काम दोबारा शुरू हो गया है।महुली के किसानों ने बताया कि अगर मौसम इसी तरह साफ रहा, तो अगले एक सप्ताह के भीतर कटाई पूरी कर लेंगे। धान की फसल को सुरक्षित रखने के लिए ग्रामीण अब खेतों में फसल पलटने और सुखाने का काम कर रहे हैं। चांदनी और बिहारपुर के आसपास के कई किसानों ने कहा कि बारिश से नुकसान तो हुआ, लेकिन अब मौसम खुलने से उम्मीद जगी है। अगर ठंड ज्यादा नहीं बढ़ी तो कटाई का काम बिना रुकावट पूरा हो जाएगा।

धुंध से दृश्यता घटी, सड़क यातायात पर असर

सुबह के समय सूरजपुर जिले के कई मार्गों पर धुंध का असर दिख रहा है। बिहारपुर से ओडगी, चांदनी से सूरजपुर की ओर जाने वाले मार्गों पर सुबह दृश्यता काफी कम हो गई। वाहन चालकों को हैडलाइट जलाकर चलना पड़ा। हालाँकि दिन चढ़ने के साथ धूप निकलने पर दृश्यता सामान्य हो जाती है।

मौसमी बीमारी के बढ़े मरीज

मौसम के अचानक बदले मिजाज का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखने लगा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर में इन दिनों सर्दी-जुकाम और खांसी के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टरों का कहना है कि मौसम के इस बदलाव में बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि सुबह-सुबह ठंडी हवा में बाहर निकलने से बचें। गर्म कपड़ों का उपयोग करें और खान-पान पर ध्यान दें। गांवों में स्वास्थ्य टीमों को अलर्ट पर रखा गया है ताकि कोई बड़ी मौसमी बीमारी न फैले। जिले के कई इलाकों में लोग अब सर्दी की तैयारियों में जुट गए हैं। लकड़ी और सूखे गोबर से अलाव जलाने की परंपरा फिर लौट आई है। बाजारों में रजाई, कंबल और ऊनी कपड़ों की मांग बढ़ी है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि पिछले दो दिनों में गर्म कपड़ों की बिक्री में अचानक उछाल आया है। इस तरह मौसम के बदलते मिजाज के साथ ग्रामीण जीवन में भी सर्दी का रंग साफ दिखने लगा है।

कार्यालय नायब तहसीलदार
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग)
ई-कोड क्र./अ-6/2025

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्राम नरकेली राजस्व निरीक्षक बड़गांव तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ०ग० तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती श्वेता पंजियारा पति राजीव पंजियारा उम्र 44 वर्ष जाति कोईर निवासी ग्राम स्कूलपारा, बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ०ग० के द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक से उसके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ख. नं. 591/1, 591/2 रकबा 0.119, 0.120 हे0 योग 02 कुल रकबा 0.239 हे० भूमि ग्राम नरकेली प०ह०नं० 19 तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ०ग० में स्थित है। जिसे आवेदिका के द्वारा अनावेदक से दिनांक 16.01.2025 को पंजीकृत बिक्रय पत्र के माध्यम से क्रय की गयी है। उक्त पंजीकृत बिक्रय पत्र के आधार पर नामान्तरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ पंजीकृत बिक्रय पत्र, खसरा, बी-1 की छायाप्रति संलग्न किया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 07/11/2025 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभावक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई बिचार विमर्श नही किया जावेगा।

तहसीलदार
बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया

कार्यालय नायब तहसीलदार
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग)
ई-कोड क्र./अ-6/2025

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्राम नरकेली राजस्व निरीक्षक बड़गांव तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ०ग० तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामखेलावन सिंह आ० बाबूलाल सिंह जाति गोंड़ निवासी ग्राम दुधनिया थाना चरचा कालरी तह० बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ०ग० के द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक के द्वारा अनावेदक से उसके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ख. नं. 602 रकबा 0.1500 हे० भूमि ग्राम नरकेली प०ह०नं० 19 तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ०ग० में स्थित है। जिसे आवेदक के द्वारा अनावेदक से पंजीकृत बिक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया है। उक्त पंजीकृत बिक्रय पत्र के आधार पर नामान्तरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ पंजीकृत बिक्रय पत्र, खसरा, बी-1 की छायाप्रति संलग्न किया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 07.11.2025 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभावक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई बिचार विमर्श नही किया जावेगा।

तहसीलदार
बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी (छ0ग0)
कमांक/3533/वाचक-1/डायवर्सन/2025 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 31/10/2025
(अर्चना सिंह प्रति छ०ग० शासन)

ईश्तहार

रा०प्र०कं० 202510330400027/अ-2/2025-26 पक्षकार अर्चना सिंह प्रति छ०ग० शासन, ग्राम चौनपुर ग्रामध्नगर चौनपुर की जनता को सूचित किया जाता है आवेदक अर्चना सिंह आ० चरणकेश्वर सिंह, निवासी ग्राम पटेलपारा पीपरडांड तह० बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०) द्वारा छ०ग०भू०रा० संहिता की धारा 172 के तहत् प०ह०नं० 09, ग्राम चौनपुर में स्थित भूमि खसरा नं0 159/3, रकबा 0.0650 हे० भूमि का राजस्व अभिलेखों में दर्जशुदा भूमिस्वामी एवं कब्जेदार है। आवेदित भूमि कृषि भूमि है जो केता हक में प्राप्त की है जो पूर्ण रूप से निर्विवाद है तथा किसी प्रकार का बकाया बंधक नहीं है। आवेदक आवेदित भूमि के सम्पूर्ण रकबा 0.0650 हे0 का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन कराने हेतु मय दस्तावेज सहित पेश किया गया है।

अतः उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 17/11/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
मनेन्द्रगढ़, जिला : एम.सी.बी (छ0ग0)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

प्रेस अधिसूचना

भारत सरकार
नागरिक उड्डयन मंत्रालय
रेल संरक्षा आयुक्त

श्री बी. के. मिश्रा, रेल संरक्षा आयुक्त (नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन), **दक्षिण पूर्वी सर्किल, कोलकाता**, दिनांक **6 और 7 नवम्बर 2025** को **प्रातः 09:00 बजे से सायं 17:30 बजे तक, भारतीय रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 113** के अंतर्गत एक **वैधानिक जांच** करेंगे। यह जांच दिनांक **04 नवम्बर 2025** को **बिलासपुर मंडल** के **गतौरा-बिलासपुर** खंड में हुई **गेवरारोड-बिलासपुर मेमू लोकल (68733)** की **मालगाड़ी (N/MDIT)** के साथ हुई **पीछे से टक्कर** से संबंधित है।

यह जांच **मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर** के कार्यालय में प्रारंभ होगी और जांच पूरी होने तक जारी रहेगी।

इस दुर्घटना एवं इससे संबंधित तथ्यों के संबंध में जानकारी रखने वाला तथा साक्ष्य प्रस्तुत करने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति उपर्युक्त तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर साक्ष्य दे सकता है या निम्न पते पर लिखित रूप में सूचना भेज सकता है -

रेल संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व सर्किल, न्यू कोइलाघाट बिल्डिंग (12वाँ तल), 14, स्ट्रैंड रोड, कोलकाता - 700001.

ईमेल: crssec@er.railnet.gov.in

जारी कर्ता

(मंडल रेल प्रबंधक)
बिलासपुर मंडल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. : सीनियर डी.ई.ई. (आर.एस.&जी.) बी.एस.पी./ओ.टी.पी./25-26-27 Dtd: 31.10.2025

कार्य का नाम : विद्युत भाग का कार्यः करकेली, रूपोंद और बधवाबारा रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म का अपग्रेडेशन/सुधार

निविदा मूल्य : रू. 1,15,24,000.2/-
अमानत राशि : रु. 2,07,600/- **निविदा बंद होने की तिथि व समय** : दिनांक 27/11/2025, 15:00 बजे

विस्तृत जानकारी /निविदा दस्तावेज का विक्रय पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर / देख सकते है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर
(आर. एस. एवं सामान्य)
सीपीआर/10/AM/425 द.पू.म.रे., बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

‘जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल’ के जयघोष से गूंजा गुरुद्वारा

श्री गुरु नानक देव के 556वें प्रकाश पर्व पर उमड़ी श्रद्धा की बयार

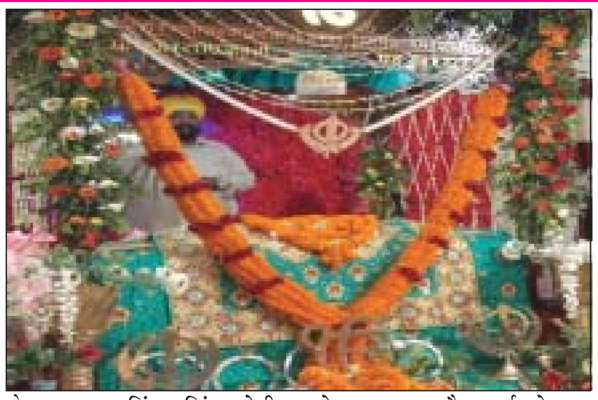

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। श्री गुरु नानक देव के 556वें प्रकाश पर्व के मौके पर बुधवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, अंबिकापुर में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। सुबह से ही संगतजन गुरुद्वारा साहिब पहुंचने लगे और पूरा परिसर ‘जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल’ के जयघोष से गूंज उठा।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 से 12 बजे तक ज्ञानी छतर सिंह एवं जत्थेदार साथियों के रसपूर्ण शबद कीर्तन से हुई, जिसमें उन्होंने गुरु नानक देव के उपदेशों का संदेश देते हुए उपस्थित संगत को निहाल किया। इसके पश्चात महिलाओं एवं बच्चों द्वारा 12 से 1.30 बजे तक विशेष शबद-कीर्तन प्रस्तुत किया, जिसने वातावरण को और भी पवित्र और प्रेरणादायी बना दिया। शहर के सरदार जतिंदर सिंह सोढ़ी, डॉक्टर हर्षप्रीत सिंह टुटेजा, सरदार महेंद्र सिंह टुटेजा, अजय मिश्रा, चंद्र भूषण मिश्र ने मंच से गुरु नानक देव के जीवन, उपदेशों और देशभक्ति की भावना पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के उपरांत गुरु का पवित्र लंगर दोपहर 12 बजे से निरंतर चलता रहा, जिसमें नगर के सभी वर्गों के लोगों ने बड़ी श्रद्धा और प्रेम से भाग लिया। लंगर में शामिल होना एकता और भाईचारे का सजीव प्रतीक बना। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा, सचिव हर्षदीप सिंह धन्जल, कोषाध्यक्ष प्रीतपाल सिंह मथारू सहित समाज के वरिष्ठ सदस्य और सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार गुरुचरण सिंह छाबड़ा ने समस्त नगरवासियों को गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनका संदेश ‘नाम जपो, किरत करो, वंड छको’ आज भी भारत की आत्मा और देशभक्ति की नींव है। उक्ताशय की जानकारी मीडिया प्रभारी सरदार जगदीप सिंह छाबड़ा ने दी।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

सांसद चिंतामणि महाराज, भूतपूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, कलेक्टर विलास भोसकर, एसएसपी राजेश अग्रवाल, एडिशनल एसपी अमोलक सिंह ढिल्लो, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने समस्त नगर वासियों को गुरुपूर्व की शुभकामनाएं दीं, और गुरु नानक देव को मानवता, सत्य, सेवा और समानता के प्रतीक के रूप में नमन किया।

अनोखी सोच डांस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले शानदार अंदाज में संपन्न

बिलासपुर की राइज वन ग्रुप टीम को मिला 2.51 लाख का खिताब

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठित समाज सेवी संस्था ‘अनोखी सोच’ द्वारा आयोजित प्रदेश की सबसे बड़ी डांस प्रतियोगिता 2025 का ग्रैंड फिनाले मंगलवार की रात को शानदार अंदाज में संपन्न हुआ। रंग, रोशनी और ताल से सजे इस फिनाले में सीनियर, जूनियर और ग्रुप डांस कैटेगरी के कुल 24 फाइनलिस्ट (8-8 प्रतिभागी) ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ग्रुप डांस राउंड रहा, जिसमें बिलासपुर की प्रसिद्ध टीम ‘राइज़ वन डांस ग्रुप’ ने शानदार प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान हासिल किया और 2 लाख 51 हजार की ईनामी राशि अपने नाम की। दूसरे स्थान पर रायगढ़ की जय मां दुर्गा टीम रही, जिन्हें 75 हजार रुपये का पुरस्कार मिला, जबकि तीसरा स्थान झारखंड के लोहरदगा की आर.आर.डी. ग्रुप ने प्राप्त किया, जिन्हें 51 हजार रुपये की राशि से सम्मानित किया गया। सीनियर सिंगल डांस श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त दिग्विजय सिंह वाराणसी ने एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त धीरज थापा मुंबई को 51 हजार एवं तृतीय स्थान प्राप्त सिद्धार्थ यादव अंबिकापुर ने 21 हजार रुपये जीता। जूनियर सिंगल डांस श्रेणी में प्रथम स्थान सूर्यांश दास, द्वितीय स्थान सिमरन सोनी एवं तृतीय स्थान आरुषि यादव बिलासपुर को मिला। फिनाले के दौरान दुर्गा पूजन के अवसर पर आयोजित रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता के परिणाम भी घोषित किए गए। सभी विजेताओं को नकद राशि और आकर्षक उपहारों से पुरस्कृत किया गया। फाइनल में जगह बनाने वाले शेष सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप सांत्वना पुरस्कार और नकद राशि प्रदान की गई। ग्रैंड फिनाले का माहौल उत्साह और जोश से भरपूर रहा। मंच की रंगीन सजावट, संगीत की गूंज और दर्शकों की तालियों ने आयोजन को यादगार बना दिया। देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों के साथ-साथ विदेशी प्रतिभागियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और भी बढ़ा दिया। कार्यक्रम का समापन शानदार आतिशबाजी और सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसने पूरे सभागार को भावनाओं और उत्साह से भर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि मंजूषा भगत महापौर, शफ़ी अहमद, अनिल सिंह मेजर, संजय अंबष्ट, विनोद अग्रवाल, हरमिंदर सिंह टिन्नी, विनोद हर्ष, निश्चल प्रताप सिंह, जन्मेजय मिश्रा, विद्यानंद मिश्रा, विरेन्द्र चौरसिया, राजेश मलिक, विनय शर्मा, सरोज साहु, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी, नवीन अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, नितिन बंसल, अमित गोयल, रवि अग्रवाल, संजु अग्रवाल, लवी अग्रवाल, गुरप्रीत सिंह भाटिया, ममता तिवारी, शशिकांत जायसवाल, रविकांत उरांव, विकास सोनी, नीलम राजवाड़े एवं प्रियंका चौबे रहे। निर्णायक मंडल में प्राची जिंदल, रमेश द्विवेदी, मो. शिफ़ते हसन, अंजनी कुमार पांडेय, डॉ. शलभ गुप्ता, रणविजय प्रताप सिंह, रिमशा श्रीवास्तव, पूजा सिंह, वंदना दत्ता, श्वेता सिन्हा, डॉ. शबनम खानम, विनायक पांडेय एवं रमिंदर कौर शामिल थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था अध्यक्ष सूर्यप्रकाश साहु, अभय साहु, लालज़ी साहु सहित सभी कर्मठ सदस्यों की भूमिका रही।

खांटू वाले श्याम बाबा के 29वें वार्षिक उत्सव पर निकली निशान यात्रा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। श्री श्याम सेवा मंडल द्वारा खांटू वाले श्याम बाबा का 29वां वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को शहर में निशान यात्रा उत्साह, उमंग के साथ आकर्षक झांकी बाजे-गाजे के साथ निकली। शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा करके यात्रा का स्वागत किया गया। जीवंत झांकियों को देखने के लिए भीड़ जगह-जगह उमड़ रही थी। निशान यात्रा में महिलाएं रंगबिरंगे ध्वज लेकर चल रहीं थीं। धार्मिक गीतों पर युवा व महिलाएं झूमते, नाचते चल रहे थे।

निशान यात्रा राम मंदिर से शुरू हुई और शहर के जयस्तंभ चैक, महामाया चैक, देवीगंज मार्ग, संगम चैक, स्वामी विवेकानन्द चैक, अम्बेडकर चैक से पीजी कॉलेज के सामने स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंची, जहां कई धार्मिक आयोजन हुए। भजन संध्या की प्रस्तुती बाहर से आए कलाकारों ने दी। कलश यात्रा के साथ महोत्सव की शुरूआत हुई थी। इसके बाद श्री श्याम सखी मंडल द्वारा श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ किया गया। विविध धार्मिक आयोजनों के बाद बुधवार को विशाल सतरंगी निशान व शोभायात्रा श्री राम मंदिर से श्री श्याम मंदिर तक निकाली गई। श्री श्याम उत्सव में इस बार भी भव्य दरबार, अलौकिक श्रृंगार, श्री श्याम रसोई, अखंड ज्योति सहित अन्य आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। श्याम पाठ व भव्य दरबार का आयोजन रात को किया गया।

आबकारी उपनिरीक्षक के दबंगई का वीडियो वायरल, ठेला व्यवसायी से किया अभद्रता

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले में लगातार विवादों में रहने वाले आबकारी उपनिरीक्षक नीरज साहू एक बार फिर अपनी दबंगई भरे रवैये को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उसका नया कारनामा बलरामपुर न्यू बस स्टैंड में देखने को मिला। उन्होंने खुलेआम एक ठेला व्यवसायी के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता की। पूरा घटनाक्रम वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, हाल ही में अंग्रेजी शराब दुकान को सिंदूर नदी किनारे से हटाकर बलरामपुर न्यू बस स्टैंड में शिफ्ट किया गया है, उसी दुकान के पास ठेला चलाने वाले एक युवक से आबकारी उपनिरीक्षक नीरज साहू ने ठेला हटाने को लेकर विवाद किया। मामला इतना बढ़ गया कि उपनिरीक्षक ने अपने पद का रौब दिखाते हुए ठेला संचालक को जबरदस्ती पकड़कर खींचा और धक्का देकर गिरा दिया और वर्दी का रौब दिखाते हुए उसे अपमानित किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के दौरान उपनिरीक्षक हंसते हुए व्यवसायी को अपमानित कर रहे थे, और आसपास के लोग इस पूरे घटनाक्रम को मोबाइल में कैद कर रहे थे। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों में आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि नीरज साहू का विवादों से पुराना नाता रहा है। बलरामपुर में पदस्थ होने के बाद से ही वे कई बार अपने दुर्व्यवहार और विवादित गतिविधियों के कारण चर्चा में रहे हैं। कुछ माह पूर्व उनका एक भाजपा कार्यकर्ता से भी विवाद हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक, नीरज साहू की पूर्व कांग्रेस सरकार के मंत्री से गहरी पकड़ रही है, जिसके चलते वे अक्सर प्रशासनिक कार्रवाई से बच निकलते हैं। अब सवाल यह है कि क्या इस बार भी यह मामला समझौते की भेंट चढ़ेगा या फिर इस दबंग अधिकारी पर वास्तव में कोई कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। फिलहाल, लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हुई हैं। आम नागरिक के साथ इस तरह की दबंगई दिखाने वाले को दंड मिलेगा या फिर हमेशा की तरह ‘मारो और माफी मांगो’ वाली आदत इस बार भी दोहराई जाएगी।

ठेला हटाने का जिम्मा किसका-विवाद उस समय तूल पकड़ा जब उप निरीक्षक ठेला हटाने शराब दुकान के पास पहुंचे। लोगों का कहना है कि आबकारी विभाग ठेला हटवाने का काम कब से करने लगा। वहीं आबकारी निरीक्षक नीरज साहू ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हम लोग आबकारी एक्ट के तहत ठेला हटवाने पहुंचे थे।

मार्च 2026 तक सभी लक्षित ग्रामों में ‘हर घर नल’ से जल आपूर्ति सुनिश्चित करें-कलेक्टर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन, सरगुजा की अध्यक्षता में बुधवार को जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बताया गया कि जिले के 569 ग्रामों में से 80 ग्रामों में कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, जिनमें से 61 ग्राम ‘हर घर जल’ प्रमाणित हो गया है। जिले में स्वीकृत सोलर पंपों के विरुद्ध 549 सोलर पंप स्थापित किए गए हैं। अब तक 185443 परिवारों में से 52622 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा चुकी है। शेष ग्रामों में कार्य प्रगतिरत हैं तथा जिन ग्रामों में जल स्त्रोत उपलब्ध नहीं हैं, वहां स्त्रोत निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

परहित चैरिटेबल सोसायटी बना जरूरतमंदों का सहारा

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। मानव सेवा ही सच्ची सेवा है, की भावना को साकार करते हुए परहित चैरिटेबल सोसायटी लगातार समाजसेवा का मिसाल बन रही है। संस्था के अध्यक्ष विशाल गुप्ता के नेतृत्व में विधवा महिलाओं को जीवन-यापन के लिए हर माह निःशुल्क राशन सामग्री वितरित की जा रही है।

खसरा नंबर 221, दहेजवार स्थित राजेश ज्वेलर्स के सामने संचालित संस्था द्वारा महिलाओं को गेहूं, दाल, शक्कर, तेल, नमक, चायपत्ती, आलू, प्याज जैसी आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा रही हैं। इस पहल से कई परिवारों को राहत मिली है और उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण जगी है। अध्यक्ष विशाल गुप्ता ने कहा कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने अपील की है कि जिन माताओं-बहनों को मदद की जरूरत हो, वे परहित चैरिटेबल सोसायटी में आकर संपर्क कर सकती हैं।

पुलिया के नीचे ऑटो पलटने से घायल महिला की इलाज दौरान मौत

एक अन्य महिला की घटना के बाद मौके पर हो गई थी मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोरिया जिला के पटना थाना अंतर्गत पुलिया के नीचे ऑटो के पलटने से एक दर्जन से अधिक महिलाएं घायल हो गई थी, इनमें से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी, एक अन्य महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दी। जानकारी के मुताबिक 3 नवम्बर को दोपहर करीब 12 बजे 16 महिलाएं सत्तीपारा निवासी प्रताप राजवाड़े के ऑटो क्रमांक सीजी 16 सीजे 1007 में सवार होकर रिश्तेदारी में दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम बकसर गई थी। दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी वापस लौट रहे थे, इस दौरान नकटापारा पुलिया के पास ऑटो से चालक का नियंत्रण हट गया, और पुलिया के नीचे जाकर ऑटो पलट गई थी। घटना में फूलकुंवर नामक महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की सूचना देर रात 11 बजे स्वजनों को मिलने पर वे मौके पर पहुंचे और पुलिस व आम लोगों के सहयोग से घायलों को पटना स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया था, यहां से कई घायलों वीराकुमारी, मानमती, सोनी सहित अन्य को जिला अस्पताल बैकुंठपुर रिफर किया गया था। घायल वीराकुमारी पति स्व. जय सिंह गोड़ 47 वर्ष की स्थिति गंभीर होने पर उसे आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के बाद रिफर करने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। घटना की रिपोर्ट पटना थाना में मृत फूलकुंवर के पुत्र मुकेश सिंह ने दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने ऑटो चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

नपं जरही की सड़कों पर डेरा जमाए मवेशी प्रशासनिक लापरवाही का बने प्रतीक

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। नगर पंचायत जरही में आवारा मवेशियों का जमघट प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक बन गया है। मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद जांच टीम जरही पहुंची थी, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। सड़कों और कॉलोनियों में मवेशियों का जमावड़ा जस का तस बना हुआ है। शाम ढलते ही मवेशी मुख्य सड़कों और कॉलोनियों में डेरा जमा लेते हैं। सुबह के समय पूरा इलाका गोबर से पट जाता है, जिससे नागरिकों का चलना मुश्किल हो जाता है। मॉर्निंग वॉक और सैर करने वाले लोगों को गोबर से बचते हुए निकलना पड़ता है। मुख्य मार्गों पर मवेशियों के बैठने से वाहन चालकों को गलत साइड से गुजरना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। पशु हॉर्न बजाने के बाद भी नहीं हटते, जिससे जाम की स्थिति बनती है। सूत्रों के अनुसार, जांच अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक आदेशों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जरही में गोठान केवल कागजों पर सक्रिय है। वहां चारा-पानी और पशुओं के देखरेख की कोई व्यवस्था नहीं है। इस वजह से मवेशी सड़कों पर घूम रहे हैं और दुर्घटना का खतरा बढ़ा रहे हैं।

जांच टीम आई थी, हमने जेडी साहब को बताया था कि मवेशियों को गोठान में रखने से स्थिति और गंभीर हो जाएगी। हमें पहले ही कर्मचारियों को वेतन देने में दिक्कत हो रही है, मवेशियों के चारा-पानी की व्यवस्था कहां से करेंगे। नगर पंचायत के पास सीमित संसाधन हैं, कर्मचारियों का वेतन भी महीनों से लंबित है, तो गोठान चलाना कैसे संभव होगा।

मोहर लाल गहरवरीया
सीएमओ नगर पंचायत जरही

छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की सुरमयी गूंज में झूमा अंबिकापुर, राज्योत्सव का समापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति, परंपरा और विकास की 25 वर्षों की सुनहरी यात्रा का साक्षी बना राज्योत्सव 2025, जिसका समापन बुधवार की रात रंग, संगीत और लोकधुनों के संग भव्य एवं मनमोहक अंदाज में हुआ। रजत महोत्सव 2025 अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम ने शहर को उल्लास, उमंग और लोकसंस्कृति के रंगों से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन शहर के कला केंद्र मैदान में आयोजित समापन समारोह में जनसमूह की उत्साही उपस्थिति देखने योग्य रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, आलोक दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, राम सिंह ठाकुर, अमृत लाल ध्रुव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, एसडीएम फागेश सिंहा, सहित प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी एवं काफी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। मंच पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला। करमा, सरहुल, सैला, सुआ जैसे लोकनृत्य एवं पारंपरिक लोकगीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन कार्यक्रम में विशेष आकर्षण सरगुजा क्षेत्र के सुप्रसिद्ध लोकगायक संजय सुरीला की सुमधुर प्रस्तुति रहा। उनके लोकप्रिय गीत ‘हाय रे सरगुजा नाचे’ की गूंज ने समूचे परिसर को झूमने पर मजबूर कर दिया। मांदर की थाप और लोकसंगीत के लय पर महापौर मंजूषा भगत, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी झूम उठे। कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साहपूर्ण जयघोष से गूंज उठा। महापौर मंजूषा भगत ने समापन अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि राज्योत्सव न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव है, बल्कि यह हमारे विकास और आत्मगौरव की प्रतीक यात्रा है। छत्तीसगढ़ ने 25 वर्षों में जो प्रगति की है, वह हर नागरिक के परिश्रम, समर्पण और एकता का परिणाम है। कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ महतारी के जयघोष और आकर्षक आतिशबाजी के बीच हुआ। पूरा समारोह छत्तीसगढ़ की संस्कृति, समृद्धि और एकता का अद्भुत प्रतीक बन गया। रित्विका बनर्जी ने कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी। स्थानीय कलाकारों ने रिदम बेंड द्वारा गीत एवं संगीत की शानदार प्रस्तुति दी। गायक रवि पाण्डेय, शशि लता, आंचल मुदलियार, भानुप्रकाश मुखर्जी के गीतों से शमा बंधा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर